प्रेरणा स्रोत
स्व. श्री यशवंतजी घोड़ावत

RNI No. MPHIN/2018/76422

माही की गूंज

बेबाकी के साथ..सच

Www.mahikigunj.in, Email-mahikigunj@gmail.com

वर्ष-03, अंक - 18 (साप्ताहिक) खवासा, गुरुवार 04 फरवरी 2021 पृष्ठ-8, मूल्य -5 रुपए

सुविचार

अपने जीवन में जोखिम लो। यदि आप जीतते हैं, तो आप नेतृत्व कर सकते है। यदि आप हारते है , तो आप मार्गदर्शन कर सकते है।

स्वामी विवेकानंद

मौज-मस्ती नहीं पेट की आग करवाती है पलायन...

साहब अपराधी केवल अपराधी ही होता है उसकी कोई जात-पात नहीं होती

माही की गूंज झाबुआ, संजय भटेवरा

छोटे बच्चों को एक कहानी पढ़ाई जाती है

''एक चिड़िया के बच्चे चार,
घर से निकले पंख पसार,
पूरब से पश्चिम को जाए,
उत्तर से दक्षिण को आए,
देख लिया हमने जग सारा,
अपना घर है सबसे न्यारा।''

जिसका भावार्थ ही यह है कि, सारे जग में अपना घर सबसे न्यारा होता है और कोई भी अपना घर शोक के खातिर छोड़ना नहीं चाहता है, पेट की मजबूरी ही व्यक्ति को अपना घर छोड़ने पर मजबूर करती है। लेकिन पिछले दिनों भारतीय जनता पार्टी के अजजा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष ने एक साक्षात्कार में कहा कि, प्रदेश की भाजपा सरकार ने इतने विकास कार्य किए हैं कि, अब किसी को पलायन करने की आवश्यकता नहीं है और जो पलायन कर रहे हैं वह शौकिया तौर पर मजदूरी करने बाहर जा रहे हैं। क्या ऐसा कथन सत्ताधारी दल के नेताओं को शोभा देता है ?

एक भाजपा नेता पंकज शर्मा ने भी एक पोस्ट पर सोशल मीडिया पर इतनी आपत्तिजनक टिप्पणी करते हैं जो शायद यहां लिखना संभव है ही नहीं और विरोध होने पर पोस्ट करने वाले को अपना मित्र बताकर अपनी सफाई पेश कर रहे हैं, जो कि निंदनीय है।

नेताओ के बोल-बच्चन के साथ उक्त सारी बाते जिले के मेघनगर ब्लॉक कि मासुम 7 वर्षीय बेटी का माता-पिता के साथ पलायन के दौरान एक हैवानियत के भेड़िए ने नोच-नोचकर मासूम बेटी का बलात्कार कर मौत के घाट उतारने के बाद मामला मीडिया व सोशल मीडिया के माध्यम से सार्वजनिक होने के बाद राजनीतिक दल अपनी-अपनी राजनीतिक रोटियां सेंक बयान-बाजी कर सुर्खियों में आने का प्रयास कर रहे है, जो निंदनीय ही है।

जबकी राजनेताओं को मानवियता का परिचय देकर राजनीति से उपर उठकर इस प्रकरण में की जा रही मांग अनुसार म.प्र. में उक्त प्रकरण को तब्दील कर हैवानियत के भेडिए को फांसी की सजा हो संबधी कदम उठाकर राजनीति से उपर उठकर एकमत के साथ कार्य करने की आवश्यक्ता है, जिस प्रकार दिल्ली में निर्भया केस के बाद पूरा देश निर्भया के साथ खड़ा था, उसी प्रकार जिले की बेटी के लिए भी समर्थन की आवश्यकता है। साथ ही अपराधी केवल अपराधी होता है उसे किसी भी जाति, धर्म से नहीं जोड़ा जाना चाहिए।

मध्यप्रदेश और गुजरात पुलिस को चाहिए कि, वह इस मामले में तत्काल संज्ञान ले और दोषियों के खिलाफकड़ी से कड़ी कार्रवाई करें। साथ ही मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान जिन्होंने हाल ही में एक आदेश निकाला है कि, मध्यप्रदेश में कोई भी सरकारी कार्यक्रम कन्या पूजन के साथ ही शुरू होगा। जो स्वागत योग्य है, लेकिन केवल कन्या पूजन से ही क्या कन्या सुरक्षित रह सकती है?

प्रदेश की बेटियों की सुरक्षा व्यवस्था पुख्ता होनी चाहिए और अपराधियों के मन में भी कानून का डर होना चाहिए और वह डर तभी पैदा होगा जब अपराधी के लिए कड़ी सजा का प्रावधान होगा, ना की आपसी राजनेतिक रोटियां सेक कर अपराधियो में भय बनेगा।

आजादी के बाद से प्रत्येक चुनाव में झाबुआ जिले में रोजगार के लिए पलायन चुनावी मुद्दा रहता है और दोनों ही प्रमुख दलों ने प्रदेश में लंबे समय तक शासन किया है। हम आजादी के आठवें दशक में जी रहे हैं, बावजूद इसके काम की तलाश में लोग भटकने को मजबूर हैं पर सत्ताधारी दल के नेता इसे शौकिया बना रहे हैं। लेकिन पलायन का दर्द पलायन करने वालों के अतिरिक्त कोई नहीं समझ सकता है, इसी पलायन के नाम पर विभिन्न घटनाएं घटित होती रहती है। हर घटना के बाद राजनीतिक रोटियां सेंकी जाती है और कुछ दिनों में मामला रफा-दफा हो जाता है। लेकिन आज तक किसी भी दल ने इस समस्या से छुटकारा दिलाने में कोई ठोस प्रयास नहीं किए। हालांकि मनरेगा जैसी योजनाएं देश में लागू है, लेकिन उसकी स्थिति से लोग वाकिफहैं, न्यूनतम मजदूरी और उसका भी कोई निश्चित समय नहीं कि, मजदूरी कब मिलेगी। जबकि होना यह चाहिए कि, मजदूरों का पसीना सूखने से पूर्व उसे मजदूरी मिल जाना चाहिए।

ब्रेन डेड होने के बाद 14 साल के विशाल ने अंग दान कर चार लोगों को दी जिंदगी

जयपुर, एजेंसी। 26 जनवरी को हुए हादसे में जयपुर शहर की बस्सी इलाके में रहने वाले चौदह साल के विशाल की जान चली गई थी, लेकिन मरने के बाद भी वह अपने अंगदान कर चार लोगों की जिन्दगी सवांर गया। दरअसल, एक सड़क हादसे में विशाल गंभीर रूप से घायल हो गया था, जिसके बाद डॉक्टरों ने उसे ब्रेनडेड घोषित कर दिया था। इसके बाद विशाल के परिजनों ने उसके अंगों को दान करने का फैसला किया।

विशाल की दोनों किडनी को जयपुर के एसएमएस अस्पताल में, लिवर को महात्मा गांधी अस्पताल में भर्ती एक मरीज को ट्रांसप्लांट किया गया। वहीं उसके ह्रदय व फेफड़ों को चेन्नई के अपोलो अस्पताल भिजवाया गया है।

बता दें कि, विशाल की डोनेट की दोनों किडनी में से एक को 50 साल के पुरुष को और दूसरी कोटा के रहने वाले 46 साल के व्यक्ति को लगाई गई। वहीं, लिवर जयपुर के महात्मा गांधी अस्पताल में भर्ती गुड़गांव के 35 वर्षीय पुरुष को प्रत्यारोपित किया गया।

राहुल का केंद्र पर हमला- किसान पीछे नहीं हटेंगे, मुझे अच्छी तरह पता है

नई दिल्ली एजेंसी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर मोदी सरकार पर हमला बोला। राहुल गांधी ने किसानों के प्रदर्शन को लेकर कहा कि उन्हें मालूम है कि, किसान पीछे नहीं हटेंगे। राहुल गांधी ने कहा कि, प्रधानमंत्री का ये कहना कि कानूनों को 2 साल तक टाले जाने का प्रस्ताव अभी भी किसानों के पास है। इसका क्या मतलब है? या तो आप मानते हैं कि आपको कानूनों की जरूरत नहीं है या आप कानून वापिस नहीं लेना चाहते हैं। मुझे लगता है कि, इस मुद्दे का समाधान जल्द से जल्द किया जाना चाहिए। किसान कहीं जाने वाले नहीं इसलिए सरकार को किसानों की सुननी चाहिए।

रक्षा मंत्री सिंह ने चीन और पाकिस्तान पर साधा निशाना, कहा वैश्विक खतरा बना आतंकवाद

बेंगलुरु, एजेंसी। देश की प्रमुख एयरो स्पेस और रक्षा प्रदर्शनी एयरो इंडिया-2021 के 13 वें संस्करण का आयोजन बेंगलुरु के येलहंका एयरफोर्स स्टेशन पर हो रहा है। डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गनाइजेशन इसका आयोजन कर रहा है। इस शो के माध्यम से रक्षा क्षेत्र में भारत दुनिया को अपनी ताकत दिखा रहा है। इस तीन दिवसीय शो का रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने उद्घाटन किया। उन्होंने पाकिस्तान और चीन पर निशाना साधा, उन्होंने कहा कि, भारत कई मोर्चों पर खतरों और चुनौतियों का सामना कर रहा है, वह एक देश द्वारा प्रायोजित आतंकवाद का शिकार है, जो अब एक वैश्विक खतरा बन गया है, हमने अपनी सीमाओं पर यथास्थिति बदलने के दुर्भाग्यपूर्ण प्रयासों को देखा है।

श्री सिंह ने यह भी कहा कि, देश हर कीमत पर अपने लोगों और क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा करने के लिए किसी भी दुस्साहस का मुकाबला करने और उसे हराने के लिए सतर्क और तैयार है। इस अवसर पर तीनों वायुसेना अध्यक्ष मौजूद रहे, कर्नाटक मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा भी मौजूद रहे। इस दौरान रक्षा मंत्रालय ने 83 एलसीए तेजस लड़ाकू विमानों का अनुबंध एचएएल को सौंपा।

पीएम मोदी पर विवादित ट्वीटः निर्देश माने वरना कानूनी ऐक्शन के लिए रहे तैयार - सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी। किसान आंदोलन के बीच पीएम मोदी के खिलाफविवादित हैशटैग के साथ ट्वीट करने पर सरकार ने ट्विटर को 250 अकाउंट सस्पेंड करने के निर्देश दिए थे, लेकिन ये अकाउंट फिर से ऐक्टिव हो गए। अब सरकार ने ट्विटर को इस संबंध में नोटिस जारी किया और कहा है कि, किसान नरसंहार से जुड़े ट्वीट करने वाले अकाउंट को बंद करने के आदेश का पालन करे। अगर ऐसा नहीं हुआ तो कानूनी कार्रवाई हो सकती है। सरकार के नोटिस में कहा गया है, 'मोदी प्लानिंग फार्मर जेनोसाइड' हैशटैग का इस्तेमाल लोगों को उकसाने, नफरत फैलाने के लिए किया गया था और यह तथ्यात्मक रूप से भी गलत था। यह समाज में तनाव पैदा करने के लिए चलाया गया अभियान था, नरसंहार के लिए उकसाना अभिव्यक्ति की आजादी नहीं है, यह कानून व्यवस्था के लिए खतरा है।

गुजरातरू नगर निगम चुनावों में पीएम मोदी की भतीजी ने ठोकी दावेदारी, मांगा पार्टी का टिकट

अहमदाबाद, एजेंसी। गुजरात में होने वाले स्थानीय निकाय चुनाव के लिए सियासी घमासान छिड़ा हुआ है। चुनाव में दमखम दिखाने के सभी प्रत्याशी दम लगा रहे हैं ताकि उन्हें टिकट मिल सके लेकिन इसी बीच स्थानीय निकाय चुनाव ने एक नया रुख ले लिया है। क्योंकि अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भतीजी ने भी भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ने की इच्छा जताई है।

खबरों के मुताबिक, पीएम के भाई प्रहलाद की बेटी सोनल ने अहमदाबाद नगर निगम में बोदकदेव वार्ड से पार्टी का टिकट मांगा है। बता दें कि प्रह्लाद पीएम मोदी के बड़े भाई हैं। उन्होंने अहमदाबाद म्यूनिसिपल कॉर्पोरेशन के बोदकदेव वार्ड से टिकट मांगा है। हालांकि, अभी तक यह कन्फर्म नहीं है कि, उन्हें टिकट मिलेगा या नहीं लेकिन टिकट की मांग ने निकाय चुनावों में सियासी हलचल तेज हो गई है। सोनल को टिकट मिलने का सबसे बड़ा पेंच इस बात पर फंसा पड़ा है क्योंकि बीते सोमवार को बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष सीआर पाटिल नेकहा था कि पार्टी नेताओं के रिश्तेदारों को इस चुनाव में टिकट नहीं दिया जाएगा।

हालांकि, इस पूरे मसले पर सोनल के पिता ने कहा है कि, उनकी बेटी को टिकट तब ही मिलना चाहिए जब वह तय मानकों पर खरी उतरें। सिर्फइसलिए टिकट नहीं दिया जाना चाहिए कि वह पीएम मोदी के भाई की बेटी हैं। उन्होंने अपने बेटी को टिकट दिए जाने पर कहा, 'यह देखना होगा कि बीजेपी का संसदीय बोर्ड नरेंद्रभाई की कितनी इज्जत करता है।'

अधीक्षिका तत्काल प्रभाव से निलंबित

माही की गूंज, झाबुआ। कलेक्टर रोहित सिंह ने कस्तूरबा गांधी बालिका छात्रावास थांदला की अधीक्षिका किरणबाला चौहान को खाद्यान्न का अवैध परिवहन करने के मामले में तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। निलंबन अवधि में चौहान उच्च माध्यमिक शिक्षक केजीबीवी बालिका छात्रावास थांदला का मुख्यालय खण्ड शिक्षा कार्यालय मेघनगर नियत किया गया है। इन्हे नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ते की पात्रता रहेगी। यह कार्यवाही खाद्यान्न का अवैध परिवहन करने का मामला संज्ञान में आने पर अधीक्षिका के विरूद्ध एफआईआर दर्ज कराई गई। अधीक्षिका द्वारा विद्यार्थियों के लिए भण्डारित खाद्यान्न को एसएमडीसी की सर्वानुमति लिए बगैर ही पिकअप वाहन में भरकर बाजार में अनाधिकृत रूप से विक्रय करने का अवैधानिक कार्य किया गया था।

युवा संसद का हुआ आयोजन

माही की गूंज, झाबुआ। युवाओं में संसदीय कार्यप्रणाली का ज्ञान तथा लीडरशिप क्वालिटी विकसित करने के उद्देश्य से जिले के थांदला ब्लॉक में नेहरू युवा केंद्र झाबुआ जिला युवा अधिकारी प्रीति के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय युवा नेता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। युवाओं को युवा संसद की अवधारणा से परिचित कराते हुए राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवकों ने उपस्थित युवाओं को संसदीय कार्य प्रणाली से परिचित कराया। इसी के साथ युवाओं को नेहरू युवा केंद्र द्वारा किए जा रहे कार्यो से अवगत कराया गया व युवाओं को नशे से दूर रहने का आव्हान किया।

इस अवसर पर वक्ताओं ने बाल विवाह, कन्या भ्रूण हत्या, नशा जैसी सामाजिक कुरीतियों पर करारा प्रहार कर युवाओं के बीच नेतृत्व तथा राष्ट्रीय निर्माण में भागीदारी पर बल दिया। कार्यक्रम में उपस्थित युवाओं को स्वच्छता तथा जल संरक्षण की शपथ दिलाई गई। जिला युवा अधिकारी प्रीति ने युवाओं को देश के हित में काम करने की अपील करते हुए कहा कि युवा देश के लिए ऊर्जा का स्त्रोत है, गांव का युवा ही गांव के विकास की सीढ़ी है और उनसे लक्ष्य निर्धारित कर आगे पढ़ाई करने की अपील की। इस अवसर पर स्वयंसेवकों के साथ बड़ी संख्या में थांदला के ग्रामीण युवाओं ने भाग लिया।

मोबिलाइजर की भर्ती में शुरू हुई धांधली, ग्राम पंचायत तारखेड़ी में पहला मामला आया सामने

महिलाओं को बढ़ावा देने के सरकारी दावे फैल

अनुसूचित वर्ग की अनुभवी महिला अभ्यर्थी को ग्राम पंचायत ने किया बहार, जनसुनवाई में पहुंचा मामला

माही की गूंज, पेटलावद। राकेश गेहलोत

सरकार भले ही महिलाओं को बढ़ावा देने का दावा कर रही हो लेकिन स्थानीय स्तर पर सरकारी दावे पूरी तरह फ़ैल हो रहे है, स्थनीय स्तर पर होने वाली भर्ती में पारदर्शिता नही होना कोई नई बात नही है पेसो की लेन-देन और एजेंसी प्रमुख के रिश्तेदारो की भर्ती सामान्य बात है। जिले की ग्राम पंचायतों में निकली मोबिलाइजर की भर्ती में शुरू से धांधली के कयास लगाए जा रहे थे और हुआ भी ऐसा ही, भर्ती के शुरुवात में ही पहला धांधली का मामला सामने आया है। विकास खण्ड की भ्रष्ट पंचायतो में से एक तारखेड़ी पंचायत में मोबिलाइजर भर्ती के लिए जारी की गई मेरिट सूची में महिला अभ्यर्थी का नाम नही होने के बाद अभ्यर्थी दीपिकासिह गवली ने ग्राम पंचायत के सरपंच और सचिव पर भर्ती में धांधली का आरोप लगाते हुए पद के लिए अन्य व्यक्ति को लेन-देन कर प्रवीण सूची से बहार करने का आरोप लगाते हुए जनसुनवाई में जनपत सीईओ को आवेदन कर मेरिट सूची पुनः जांच करने की मांग की है।

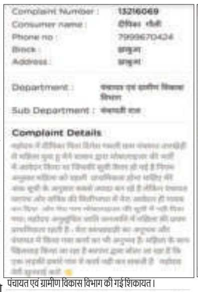

Complaint Number : 13216069
Consumer name :
Phone no : 7999670424
Block :
Address :
Department :
Sub Department :
Complaint Details

पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की गई शिकायत।

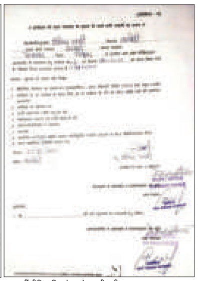

अभ्यर्थी दीपिकासिह के आवेदन की रसीद।

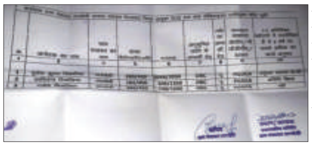

ग्राम पंचायत द्वारा जारी मेरिट सूची जसमे 13 में से 3 लोगो के ही नाम, शासन के निर्देशों अनुसार नही किया अंकों का खुलासा।

13 आवेदन आए थे ग्राम पंचायत में, प्रवीण सूची में केवल 3 नाम

मोबिलाइजर की भर्ती हेतु शासन द्वारा जारी दिशा-निर्देश के अनुसार महिला प्रतियाशी, अजजा व अजा वर्ग को प्राथमिकता देना था, साथ ही अभ्यर्थी यदि स्वछताग्रहि हो उसे प्राथमिकता देनी थी, लेकिन ग्राम पंचायत तारखेड़ी में ऐसा नही किया गया। मोबिलाइजर पद के लिए ग्राम पंचायत में कुल 13 लोगो ने आवेदन किए थे नियम के अनुसार पंचायत को सभी की मेरिट सूची तैयार करनी थी कि, किसको कितने अंक किस क्षेत्र में दिए गए और उनके जोड़ के आधार पर परिणाम जारी करने थे, लेकिन ग्राम पंचायत तारखेडी ने मात्र 3 लोगो की प्रवीण सूची जारी की जसमे भी शासन के जारी निर्देशो का पालन नही किया गया, सुची में किस क्षेत्र में कितने अंक दिए गए ये नही बताया केवल सूची मे अंक और डिग्री का नाम बताकर सूची जारी कर दी गई।

हायर सेकेंडरी में सर्वाधिक अंक व अनुसूचित वर्ग की महिला को सूची से किया बाहर

शासन के नियमानुसार हायर सेकेंडरी में प्राप्त प्रतिशत के 60 प्रतिशत अंक, स्नातक में प्राप्त प्रतिशत के 10 प्रतिशत अंक जोड़े जाने थे साथ ही कम्प्यूटर कोर्स के 10 अंक, अनुभव के 5 अंक, अनुसूचित जनजाति के 10 अंक और महिला प्रतियाशी के 10-10 अंक निर्धारित किए गए थे, यदि किसी अभ्यार्थी ने कम्प्यूटर कोर्स नही किया हो और उसके समकक्ष भी हो तो उसे प्राथमिकता देना था।

अभ्यर्थी दीपिकासिह गवली ने बताया कि, जिन तीन लोगों के नाम ग्राम पंचायत ने दिए है उन सभी से हायर सेकेंडरी में मेरे अंक ज्यादा है, स्नातक भी मेरी पूर्ण है और महिला प्रतियाशी और अनुभव के अंक जोड़े जाए तो सूची में मेरा नाम प्रवीण सूची में प्रथम स्थान पर होना था। शासन की और से मोबिलाइजर पद के स्वछताग्रहियो को प्राथमिकता देने के साफ़निर्देश है और में विगत 3 वर्षो से विकास खण्ड में स्वछताग्रहि के रूप में कार्य कर रही हु जिन अभ्यर्थियों को प्रवीण सूची में स्थान दिया गया वो पिछड़ा वर्ग के होकर कोई भी स्वछताग्रहि नही है फिर भी सूची में उनका नाम है, ग्राम पंचायत ने सीधे-सीधे भर्ती में पैसे की लेने-देंन कर काम किया है।

जनसुनवाई में दिया आवेदन, सीईओ ने सचिव को दिए निर्देश, फिर भी नही मानी बात

दीपिकासिह गवली ने मामले की शिकायत मंगलवार को जनसुनवाई कार्यक्रम में करते हुए जनपत सीईओ को आवेदन दिया और भर्ती प्रक्रिया में ग्राम पंचायत पर धांधली करने का आरोप लगाया। शिकायत के बाद जनपद सीईओ ने ग्राम पंचायत के सचिव को निर्देश दिए लेकिन सचिव हेमन्त गरवाल ने सीईओ के निर्देश पर कोई धयान नही दिया। दीपिकासिह गवली का कहना है कि, मामले की शिकायत पंचायत ग्रामीण विकास विभाग को की है सरकार और अधिकारियो से यदि न्याय नही मिला तो न्यायालय की शरण जाऊंगी।

एक बार निरस्त हो चुकी है मोबिलाइजर कि भर्ती, मेरिट सूची जिले से हो जारी

मोबिलाइजर पद के लिए जिला प्रशासन की और से दूसरी बार भर्ती निकाली गई है इससे पहले भी मोबिलाइजर पद के लिए आवेदन लिए गए थे लेकिन भर्ती प्रक्रिया पर सवाल खड़े होने के साथ-साथ पैसों की लेन-देन और सरपंच-सचिव के रिश्तेदारो को ही भर्ती किए जाने की शिकायते होने पर जिले से पुनः नई गाइडलाइन तय कर भर्ती निकाली, लेकिन मेरिट सूची का प्रकाशन पंचायत स्तर से ही करने के निर्देश दिए जिससे पंचायत स्तर पर फिर से धांधली होना तय है। जिला प्रशासन को चाहिए कि, ग्राम पंचायतों में आए आवेदनो की जांच और मेरिट सूची का प्रकाशन जिले से ही किया जाए जिससे पारदर्शिता के साथ भर्ती की जा सके।

श्री श्री 1008 श्री महंत काशी गिरी जी महाराज की 18 वीं पुण्यतिथि पर श्रंगेशवर धाम पर धार्मिक अनुष्ठान हुए संपन्न

माही की गूंज, झकनावदा।

मधुकन्या नदी के पावन तट पर स्थित श्रंगेश्वर धाम पर हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी प्राचीन तपस्वी स्वर्गीय श्री श्री 1008 श्री काशी गिरी जी महाराज की पुण्यतिथि बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाई गई, इसमें दो दिवसीय धार्मिक कार्यक्रम हुए जिसमें मंदिर को चारों और विद्युत सज्जा से सजाया गया, यह दृश्य देखकर ऐसा लग रहा था मानो माही ने अपने चारों ओर हरियाली की चादर ओढ़ रखी हो।

बता दे कि, यह संपूर्ण कार्यक्रम श्रंगेश्वर धाम के गादीपति महंत श्री रामेश्वर गिरी जी महाराज के सानिध्य में संपन्न हुए, कार्यक्रम में दूर-दूर से गुरु भक्तों ने शिरकत की एवं श्रंगेश्वर धाम के गादीपति महंत रामेश्वर गिरी जी महाराज से आशीर्वाद प्राप्त किया, मालवा अंचल एवं झाबुआ जिले के आस-पास के अनेक गांव से लोगों का दर्शन के लिए हुजूम उमड़ा। प्रथम दिन सोमवार रात्रि कालीन भजन संध्या में गुजरात के नीमखेड़ा के भजन गायकों द्वारा भजनों की प्रस्तुति दी गई, साथ ही सुंदरकाण्ड का गायन भी किया गया, जिसका देर रात तक श्रोताओं एवं दर्शकों ने भरपूर आनंद लिया। दूसरे दिन मंगलवार को सुबह सर्वप्रथम काशी गिरी जी महाराज की मूर्ति का दूध अभिषेक कर पुष्प चढ़ाकर पूजा-अर्चना की गई, उसके बाद हवन भी किया गया, तत्पश्चात 1 बजे महाआरती गुरु भक्तों द्वारा उतारी गई और अंत में महाप्रसादी (भोजन) भंडारा भी श्रद्धालुओं द्वारा करवाया गया।

रोटरी क्लब अपना ने शुरू की निःशुल्क स्तन और गर्भाशय कैंसर की जांच

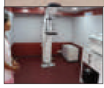

माही की गूंज, मेघनगर।

मध्य प्रदेश का पश्चिमी आदिवासी अंचल झाबुआ जिला स्वास्थ्य के मामले में पिछले कई सालों में हमेशा कमजोर व पिछड़ा रहा है, जिसको देखते हुए मानव सेवा की सबसे अग्रणी संस्था रोटरी क्लब अपना द्वारा समय-समय पर निःशुल्क शिविर आयोजित करता रहा हैं। इसी तारतम्य में निःशुल्क स्तन कैंसर एवं गर्भाशय कैंसर की जांच शिविर रोटरी मंडल 3040 के मंडल अध्यक्ष गजेंद्र नारंग के मार्गदर्शन एवं मंडल के शिविर चेयरमैन भरत मिस्त्री के साथ आयोजित होना है।

रोटरी क्लब अपना मेघनगर के अध्यक्ष पंकज रांका एवं सचिव राजेश भण्डारी ने बताया कि, स्तन और गर्भाशय कैंसर की जांच के लिए रोटरी क्लब अपना एवं रोटरी मंडल 3040 द्वारा निःशुल्क मैमोग्राफी एवं पैप स्मीयर की जांच शिविर का आयोजन किया गया है, सरल भाषा मे इसे गर्भाशय एवं स्तन कैंसर की जांच कहते है।

इस शिविर में जांच कराने के लिए करवाना होगा पंजीयन

क्लब द्वारा आगामी 4 से 10 फरवरी तक मेघनगर झाबुआ चौराहा भारतीय स्टेट बैंक के नीचे तलघर में पडवाल क्लीनिक पर स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉक्टर अंजली बामनिया द्वारा चेकअप कर पंजीयन प्रकिया की जाएगी, फिर 11 फरवरी को मेघनगर स्थान दशहरा मैदान पर मेमोग्रफी कैंप का आयोजन किया जाएगा, जिसमें जांच मुफ्त में की जाएगी। बाज़ार में इसकी कीमत 4 हजार से 5 हजार तक होती है। जिसके लिए अमरावती (महाराष्ट्र) से मैमोग्राफी बस मेघनगर मंगवाई गई, इस बस की लागत दो करोड़ रुपए है। जांच रिपोर्ट लगभग 1 माह के बाद आने के बाद यथासंभव कैंसर स्पेशलिस्ट डॉक्टर द्वारा ईलाज एवं ऑपरेशन किया जाएगा।

महत्वपूर्ण है ये शिविर

ब्रेस्ट में दर्द या गांठ ज़रा-सा भी महसूस हो तो डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए, कभी-कभी ये भी होता है कि, गांठ में दर्द न हो, लेकिन छूने पर ये महसूस होता है। स्तनों में पड़ने वाली गांठ को मेमोग्राफी के ज़रिए पता किया जा सकता है। 30 से 35 साल की महिला को एक बार मेमोग्राफी ज़रूर करानी चाहिए।

गर्भाशय कैंसर के लक्षण

वे महिलाए जिनकी उम्र 50 वर्ष से अधिक हैं उन्हें गर्भाशय कैंसर होने की संभावना अधिक होती है, यह ओवरी के कुछ भागों और उसके आस-पास के भागों को प्रभावित कर सकता है। गर्भाशय कैंसर आंतड़ियों, मूत्राशय, लिम्फनोड्स, पेट, लिवर और फेफड़ों को प्रभावित करता है, महिलाओं में अन्य कैंसरों की तुलना में ऑवेरियन कैंसर से मृत्यु की संभावना अधिक होती है। इन सभी मातृशक्ति बहनों की होने वाली तकलीफों को देखते हुए रोटरी क्लब अपना रोटरी मंडल 3040 के साथ इस शिविर को आयोजित करने जा रहा है।

तुकु की तूती, नीलेश की राठौड़ी, पिंटू की चमचागिरी के साथ पेटलावद, बामनिया, रायपुरिया क्षेत्र में बिक रही अवैध शराब

गूंज असरः समाचार प्रकाशित होने के बाद माफिया के साथ आबकारी इंस्पेक्टर जयश्री भी आई हरकत में

माही की गूंज, झाबुआ/पेटलावद

शराब माफियाओं व आबकारी विभाग के अधिकारी की किस तरह की सांठ-गांठ होती है और किस तरह आबकारी विभाग के अधिकारी सरकार का नहीं ठेकेदार पर फल-फूल रहे हैं की तर्ज पर प्रदर्शित कर शराब माफियाओं के तलवे चाटकर अपने कर्तव्य को भूल शराब माफियाओं का ही सहयोग सरेआम किया जाता है, यह सर्वसाधारण विदित है।

क्षेत्र में अवैध शराब सप्लाई करने वाला वाहन।

बात करें पेटलावद व रायपुरिया शराब ग्रुप की तो यहां मुरैना व उज्जैन में जहरीली शराब से लोगों की मौत के बाद सरकार के सख्त आदेशों के बाद भी अवैध शराब की कार्रवाई महज शराब ठेकेदार जो ठेके की आड़ में सरेआम क्षेत्र में दोपहिया व चार पहिया वाहनों से सप्लाई कर क्षेत्र के एक-एक गांव में शराब पहुंचा रहे है जिस पर कोई कार्रवाई नहीं करते हुए शराब माफिया के तलवे चाटने वाली आबकारी विभाग ठेकेदार उर्फ शराब माफिया को लाभ पहुंचाने संबंधी कार्रवाई कर अपनी वाहवाही लूट रही है का खुलासा हमने पिछले अंक में किया था, जिसमें किस तरह से गणतंत्र दिवस पर ड्राई डे होने से शराब दुकान बंद रहती है पर गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या में शराब दुकान सील करने के पूर्व आबकारी अधिकारी जयश्री वर्मा की उपस्थिति में शराब ठेकेदार के गुर्गे बामनिया सहित क्षेत्र में बनाए हुए अपने एजेंटों को शराब की पेटियां निकाल कर दे रहे थे और वहां एक भाजपा नेता ने उक्त आबकारी अधिकारी की उपस्थिति में अवैध रूप से दी जा रही शराब की पेटियों पर आपत्ति जताकर आवश्यक कार्रवाई करने हेतु कहा, परंतु शराब माफियाओं के तलवे चाटने वाले आबकारी विभाग की महिला अधिकारी जयश्री वर्मा ने भी सिद्ध कर दिया कि वह माफियाओं के किस तरह से तलवे चाटती हैं और सरकार के निर्देशानुसार भाजपा के एक सिपाही ने कार्रवाई करने की बात कही पर कार्रवाई नहीं करते हुए शराब की पेटियां दुकान के अंदर रखवाकर गणतंत्र दिवस के लिए शराब दुकान को सील कर चली गई। वही भाजपा नेता ने आबकारी इंस्पेक्टर कि उक्त हरकत को भोपाल मंत्री स्तर तक शिकायत करने की बात कही थी।

मामले में जानकारी लेने हेतु गूंज प्रतिनिधि ने आबकारी इंस्पेक्टर वृत पेटलावद जयश्री वर्मा को फोन लगाकर जानकारी ली तो, उक्त बात शराब माफिया और ठेकेदार के गुर्गे को पत्रकार व भाजपा नेता को सेट करने के उद्देश्य के साथ फोन लगाकर पूरी जानकारी दे दी ताकि ना तो उन के काले कारनामे समाचार पत्र माही की गूंज में प्रकाशित हो और ना ही ऊपरी स्तर पर कोई शिकायत हो।

माफिया के गुर्गे ने भी पत्रकार व भाजपा नेता को अन्य लोगों की तरह सेट कर मामले को रफा-दफा कर दिया जाएगा कहकर आश्वस्त अधिकारी को कर दिया। माही की गूंज माफियाओं की काली करतूतों को उजागर करने में कभी कंप्रोमाइज नहीं करती जिसके चलते मामले को उजागर किया तो माफिया, माफिया के परिजन के साथ आबकारी इंस्पेक्टर भी ऐसी बौखलाई की माफिया के गुर्गे को फोन लगाकर कह दिया, तुमको हमने कोई बात बताई वह उजागर कर मेरी प्रतिष्ठा को खराब किया है, अब मैं तुम्हारे खिलाफ भी कार्रवाई करूंगी।

खैर देखना है कि, आबकारी इंस्पेक्टर जयश्री अपनी जयकार अपनी प्रतिष्ठा बचाने के लिए शराब की अवैध सप्लाई पर कार्रवाई कर करेगी या फिर गुलाबी नोटों के आगे कार्रवाई न कर माफियाओं के तलवे चाटेगी यह देखने का विषय रहेगा।

इन वाहनों से हो रही क्षेत्र में अवैध सप्लाई

तुकाराम के जेल में जाने के बाद भी, तुकु की तूती, लाइसेंसी निलेश राठोड की राठौड़ी व मैनेजर पिंटू की चमचागिरी के साथ बामनिया क्षेत्र में नरेंद्र यादव, सुनील, अशरफव हंसराज यादव बाइक व बोलेरो जीप क्रमांक एमपी 46 बीए 5090 जिसका ओनर आशुतोष पिता धर्मदास जायसवाल 198 ओल्ड हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, सरस्वती स्कूल के पास, वार्ड नंबर 9, बड़वानी के नाम से दर्ज है के वाहन से अवैध शराब सप्लाई की जा रही है।

वही पेटलावद क्षेत्र में बाइक तथा बोलेरो जीप क्रमांक एमपी 45 बीबी 1438 ओनर रमाकांत पिता मुसाफिर पता रामकृष्ण नगर झाबुआ के नाम से दर्ज है वाहन से क्षेत्रपाल यादव, रोहित जायसवाल आदि अवैध शराब सप्लाई कर रहे हैं। इसी प्रकार रायपुरिया क्षेत्र में यशवंत व दशरथ के साथ आदि अन्य गुर्गे जीप व बाइक से सरेआम जामली, बरवेट, झकनावदा, मोहनकोट, बनी आदी पुरे क्षेत्र में अवैध शराब सप्लाई कर रहे हैं और गांव-गांव व ढाबों-ढाबों पर अवैध शराब बिकवा रहे हैं। परंतु आबकारी विभाग व पुलिस इनके विरुद्ध कोई कार्रवाई नहीं कर सिर्फ इनके मुनाफे को बढ़ाने के लिए महुआ की देशी शराब बनाने वाले व पीने वाले पर कार्रवाई कर ठेकेदार उर्फशराब माफिया को लाभ पहुंचाने हेतु कार्रवाई कर अपने कार्य की इतिश्री कर रहे हैं।

बता दें कि, शराब ठेकेदार उर्फ अवैध शराब सप्लाई करने वाले शराब माफिया आबकारी के माध्यम से देशी महुए की शराब बनाने वाले पर कार्रवाई करने हेतु अक्सर दबाव बनाती है, क्योंकि महुआ की शराब से उनकी बिक्री पर काफी फर्क पड़ता है और वर्तमान में हो रही अवैध शराब बिक्री पर कार्रवाई के नाम पर महज ग्रामीण क्षेत्र में महुआ-लहसुन व उसकी शराब को पकड़ने की कार्रवाई कर शराब माफियाओं को संरक्षण दिया जा रहा है।

क्षेत्र में इस तरह से हो रही अवैध शराब सप्लाई, बाईक क्रं. एमपी 11 एमएम 1330।

मुख्य चौराहे पर लगा मुख्य विद्युत पोल बिना हटाए कर दिया अवैध दुकानों का निर्माण

बिजली विभाग ने पोल सिफ्टिंग तक निर्माण कार्य नही करने के दिए थे निर्देश

सत्ता के मद में चूर ग्राम पंचायत बामनिया के नुमाइंदे एक के बाद एक विभाग को बताते रहे ठेंगा

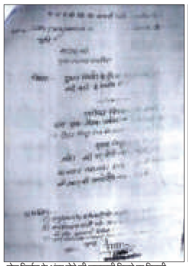

पोल निर्माण के अंदर होने की जानकारी मिलने पर बिजली विभाग ने पंचायत को कार्य रोकने के लिए भेजा गया पत्र।

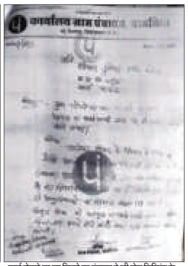

कार्य रोकने का पत्र मिलने पर पंचायत ने की पोल सिफ्टिंग के लिए लिखा पत्र, जिस पर विभाग ने पोल सिफ्टिंग तक कार्य रोकने का बोल कर दी गई ओसी।

माही की गूंज, झाबुआ/पेटलावद।

ग्राम पंचायत बामनिया के मुख्य चौराहे पर शासकीय सर्वे नम्बर 144 की भूमि जो कि, शासन की गाइडलाइन के अनुसार एमपीआरडीसी की है। दुकान निर्माण का मामला हाईकोर्ट तक पहुंच गया है, जहा याचिकाकर्ता द्वारा दुकानों का निर्माण अवैध रूप से कर बिना शासकीय प्रक्रिया के ही पूर्ण कर एमपीआरडीसी की भूमि में अवैध निर्माण कर अवैध मार्केट बनाया गया है, जिससे मुख्य मार्ग रतलाम-झाबुआ पर वाहनों के बड़ी संख्या में गुजरने से नगर की यातायात व्यवस्था बिगड़ने से दिन भर जाम की स्थिति बन रही है वही दुर्घटना का अंदेशा भी बना रहता है, जिसको देखते हुए एमपीआरडीसी की भूमि से अवैध निर्माण हटाने की मांग न्यायालय से की है। सत्ता के मद में चूर ग्राम पंचायत बामनिया द्वारा पूरे मामले में एक के बाद एक विभाग को न केवल गुमराह किया, बल्कि मनमाने ढंग से जेम-तेम निर्माण कर दुकानदारों से बडी राशि लेकर अपनी भ्रष्ट पिपासा को शांत कर लिया।

जहां बनना था ध्वज स्थल वहां बन गई दुकाने, विघुत पोल भी दुकान के अंदर कर दिया

ग्राम पंचायत द्वारा बनाए गए मार्केट का वैसे तो शासकीय रिकॉर्ड का कोई अस्तित्व नही है जिसका खुलासा स्वयं एजेंसी सूचना अधिकार में दी गई जानकारी के माध्यम से कर चुकी है, मुख्य चौराहे पर जो स्थान राष्ट्रीय ध्वज स्थल के लिए सुरक्षित था वहां भी बनते अवैध मार्केट के दौरान दुकानों की लाखों की बोलियों ने पंचायत के नुमाइंदों को दुकानें बढ़ाने पर मजबूर कर दिया और रातों-रात ध्वज स्थल पर भी दुकान निर्माण कर दिया। जहां नगर की मुख्य विद्युत लाइन का लगा बिजली विभाग का विधुत पोल विभाग से शिफ्ट करवाए बिना ही दुकान के अंदर कर अवैध तरीके से दुकानो का निर्माण कर दिया। ग्राम पंचायत की पहले यहां दुकान निर्माण की योजना नही थी लेकिन निर्माण के दौरान दुकानों के लिए मिल रहे बड़े-बड़े ऑफरों के चलते ध्वज स्थल व विद्युत पोल की जगह भी दुकान निर्माण कर दिया। ग्राम पंचायत निर्माण के दौरान आत्ममुग्ध और जिम्मेदार अधिकारीयो को खरीदकर इतनी आश्वत थी कि, किसी भी विभाग की और से कोई आपत्ति नही ली गई।

बिजली विभाग ने पोल शिफ्ट होने तक निर्माण रोकने के दिए थे निर्देश, लेकिन पंचायत ने एक न सुनी

मुख्य चौराहे पर बनी दुकानों में विधुत पोल दुकानो के बीच मे आने की जानकारी बिजली विभाग को लगी तो, बिजली विभाग ने ग्राम पंचायत को पत्र भेजकर दुर्घटना का अंदेशा जताते हुए निर्माण कार्य नही करने का पत्र ग्राम पंचायत सहित अनुविभागीय अधिकारी और बिजली विभाग के उच्च अधिकारियों को भेजा था। ग्राम पंचायत ने कार्य तो नही रोका उल्टा विभाग से पोल सिफ्टिंग की मांग रख दी, जिस पर भी विभाग की ओर से जबाब में यही कहा गया कि, पोल सिफ्टिंग तक किसी प्रकार का निर्माण कार्य नही किया जाए, लेकिन जब तक ये पत्र व्यवहार होता तब तक दुकानों का निर्माण हो चुका था। सम्भवतः ग्राम पंचायत ने अन्य विभागों के जवाबदारों जैसे स्थानीय स्तर पर पदस्थ बिजली विभाग के कर्मचारियों का मुह आर्थिक लाभ देकर बन्द कर दिया था इसलिए विभाग की ओर से बिना अनुमति और बिना पोल सिफ्टिंग के किए गए निर्माण पर विभाग ने किसी भी प्रकार की कार्रवाई ग्राम पंचायत पर नही की।

दुकानो के अंदर लिया गया मुख्य विधुत पोल।

एक लाख से अधिक का खर्च होगा पोल शिफ्ट करने में, पोल शिफ्ट हुआ तो बिगड़ेगी ट्रैफिक व्यवस्था

आमतौर पर बिजली विभाग उसकी सम्प्पति को किसी भी प्रकार से नुकसान पहुचाने या कब्जाने का प्रयास करने वालो पर कार्रवाई करता है, लेकिन यहां ऐसा कुछ नही हुआ, विभाग अब पंचायत को पोल सिफ्टिंग के खर्च का स्टीमेट बता रही है। मिली जानकारी अनुसार चौराहे पर लगे इस मुख्य पोल की सिफ्टिंग में एक लाख से भी अधिक का खर्च संभावित है जो ग्राम पंचायत को ही वहन करना होगा, ग्राम पंचायत ने पोल को पूर्व के स्थान पर लगाने की मांग की है, जहां से ट्रैफिक व्यवस्था में परेशानी के कारण पोल हटाकर पीछे किया गया था, अब पंचायत और बिजली विभाग मिलकर पोल को वही लगाने की जुगत में है, पहले से बदहाल हो चुकी यातायात व्यवस्था और बिगड़ना तय है, खेर ग्राम पंचायत और बिजली विभाग को आमजन की समस्या से कोई लेना-देना नही है।

बिजली विभाग बामनिया के जेई सोलंकी ने बताया कि, हमारे द्वारा निर्माण के दौरान ही कार्य रोकने को कहा था लेकिन पंचायत ने कार्य नही रोका और पोल सिफ्टिंग का आवेदन दिया था, जिस पर पोल सिफ्टिंग तक दुकान के निर्माण कार्य को रोकने का कई बार कहा गया लेकिन कार्य नही रुका, हमारी और से पोल सिफ्टिंग का स्टीमेट भेज दिया गया था लेकिन इस पर आपत्ति लगने और मामले के न्यायालय में होने के कारण प्रक्रिया आगे नही बड़ी है।

खुजनेर में 13 गांयो की मौत, लावारिस गांयो की देखभाल में खोखली साबित हो रही प्रशासनिक व्यवस्थाएं

माही की गूंज, राजगढ़ (ब्यावरा)।

जिले के खुजनेर नगर में पिछ्ले दो दिन पुर्व में 13 गायों के दम तोड़ देने से लोगो में काफी नाराज़गी है, पिछ्ली अल्प समय की कांग्रेस सरकार के गोशालाएं खोलने के दावे हो या भाजपा द्वारा जिले में दस हज़ार गो धन की क्षमता वाले इंतज़ाम का वादा सभी एक समान होकर बेज़ुबान पशुओं के लिए केवल दिखावा साबित हो रहे है। देश-प्रदेश के साथ राजगढ़ में सामाजिक और पशु प्रेमियों के गोधन संरक्षण के कार्य लगातार इनकी बेहतरी के लिए होते आए है, वही सरकार में बैठे ज़िम्मेदारों ने भी गायों के प्रति इन भावनाओं को दृष्टिगत रखते हुए, जंहा ग्रामीण क्षेत्रो में गौशालाओं के निर्माण का कार्य तीव्र गति से चलाया, बावजूद इसके खेतो में फसल आते ही इन गायों की दुश्वारी किसी से छिपी नही है। भूख मिटाने के लिए घूमते इन पशुओं को गांवो से शहर और शहर से गांवो में खदेड़ने का काम लगातार देखा जाता रहा है, अब हालात और बदतर है जैसे खूजनेर में पिछ्ले 2 दिन में ही लगभग 13 गायों ने दम तोड़ दिया। घायल हुई गायों की सेवा करने वाले गौ सेवकों ने बताया कि, खूजनेर क्षेत्र में दो दिन में यह लगातार 13 वी गाय की मौत है, जिसमें कहा जा रहा है कि, इन गायों की मौत का कारण पॉलीथिन आदि खाना भी हो सकता है।

गत दिसम्बर माह में राजगढ़ दौरे पर आए सम्भाग आयुक्त ने जिले में गौशालाओं के निर्माण कार्य मे प्रगति को लेकर कहा था कि, ज़िले में गौशालाओं में निर्माण कार्य अच्छे से किया जा रहा है और उसे किस तरह से अधिक अच्छा किया जा सकता है हम इस पर कार्य करे, क्योकि जिले में 100 से अधिक गौशालाओं के निर्माण कार्य किया जा रहा है जिसमें प्रत्येक गौशाला की क्षमता 100 से अधिक पशुओं की रहेगी और इससे जिले की 10 हजार गायों को सहारा दिया जाएगा। उक्त दावे चाहे कितने ही बड़े हो लेकिन खुजनेर में हुई घटना धर्म और पशु प्रेमियों के साथ समाज सेवियों और सरकार की प्राथमिकता के बावजूद ज़िले में इस गोधन की देख-रेख की व्यवस्थाओ की ज़मीनी हकीकत खुद बयां करती है। स्थानीय लोगो में गायों की लगातार होती मोतो से नाराजगी है, वह ज़िम्मेदारों के इस बयान से सहमत नही है कि, गायों की मौत पॉलीथिन खाने की वजह से हुई है। लोगो का तर्क है कि, पॉलीथिन तो यह भूखी गांए बहुत समय से खा रही है लेकिन इनकी दो दिनों में एक दर्जन मौत होने का कारण कुछ और ही है ?

उमंग सक्सेना एमेच्योर कराते एसोसिएशन मप्र के उपाध्यक्ष मनोनीत

माही की गूंज, झाबुआ। एमेच्योर कराते एसोसिएशन मप्र भोपाल की वार्षिक आमसभा भोजपुर क्लब में संपन्न हुई। जिसमें कराते एसोसिएशन ऑफ झाबुआ के अध्यक्ष उमंग सक्सेना को एमेच्योर कराते एसोसिएशन के सभी पदाधिकारियों तथा सदस्यों के सर्वसम्मति से एसोसिएशन का मप्र का उपाध्यक्ष मनोनीत किया गया। सक्सेना के मनोनयन पर पदाधिकारियों, सामाजिक संगठनों ने हर्ष व्यक्त किया है।

खाद्य पदार्थों के मिलावट की रोकथाम के लिए प्रभावी कार्यवाही की जाए

झोलाछाप डॉक्टरों की जांच के लिए विशेष मुहिम चलाई जाए

माही की गूंज, झाबुआ।

जिले के नगरीय क्षेत्रों में खाद्य पदार्थों के मिलावट की रोकथाम के लिए योजनाबद्ध ढंग से कार्यवाही सुनिश्चित की जाए ताकि जनता के जीवन के साथ खिलवाड़ न हो सके। इस कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती जाए। यह निर्देश कलेक्टर रोहित सिंह ने सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक में दिए।

कलेक्टर सिंह ने जिले में झोलाछाप डॉक्टरों के खिलाफकी गई कार्यवाही की समीक्षा की और संतोषजनक जवाब न मिलने पर स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे इन निर्देशों को गम्भीरता से लेते हुए झोलाछाप डॉक्टरों की जांच के लिए एक विशेष मुहिम चलाई जाए। आगामी बैठक में इसकी समीक्षा की जाएगी। सिंह ने मुख्यमंत्री हेल्पलाईन पोर्टल पर 300 दिवस से अधिक अवधि के प्रकरणों की विभागवार समीक्षा की और अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे लंबित प्रकरणों का तत्काल निराकरण करें। सिंह ने इस बैठक में समयावधि पत्रों की विभागवार समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि लंबित पत्रों का शीघ्रता से निराकरण सुनिश्चित करें।

समीक्षा कर दिए निर्देश

कलेक्टर ने पथ विक्रेता उत्थान योजना ग्रामीण तथा शहरी की प्रगति की समीक्षा की और बैंक में प्रस्तुत प्रकरणों में ऋण वितरण का कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। इस बैठक में शासकीय उचित मूल्य की दुकानों के आकस्मिक निरीक्षण, खाद्यान्न वितरण की स्थिति, ऑन लाईन रजिस्ट्रेशन, वन नेशन वन राशन कार्ड योजना अंतर्गत पात्र परिवारों का सत्यापन कार्य, शासकीय दुकानों पर जांच की कार्यवाही तथा आधार सिडिंग कार्य की विस्तार से समीक्षा की गई और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए। इस बैठक में अपर कलेक्टर जेएस बघेल, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व पेटलावद शिशिर गेमावत, संयुक्त कलेक्टर सोहन कनास, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व झाबुआ एमएल मालवीय, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व मेघनगर एलएन गर्ग, डिप्टी कलेक्टर ज्योति परते सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित थे।

पंचायत चुनाव को लेकर लेकर खंडवा विधायक वर्मा ने भाजपाईयों को दिया मार्गदर्शन

भाजपा जिला कार्यालय पर बैठक का हुआ आयोजन

माही की गूंज, झाबुआ।

खंडवा विधायक तथा वरिष्ठ भाजपा नेता देवेन्द्र वर्मा मंगलवार को जिले के दौरे पर रहे। इस दौरान उन्होंने मुख्य रूप से दोपहर में भाजपा जिला कार्यालय पर जिले के वरिष्ठ भाजपा नेता-पदाधिकारी, मंडल अध्यक्षों और महिला मोर्चा की बैठक लेते हुए आगामी त्रि-स्तरीय पंचायत चुनाव को लेकर आवश्यक मार्गदर्शन दिया।

भाजपा जिला मीडिया प्रभारी योगेन्द्र नाहर ने बताया कि आयोजित महत्वपूर्ण बैठक में अतिथि के रूप में भाजपा के अजजा मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष तथा पूर्व विधायक थांदला कलसिंह भाबर, भाजपा जिलाध्यक्ष लक्ष्मणसिंह नायक, पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष शैलेष दुबे उपस्थित थे। स्वागत उद्बोधन भाजपा जिलाध्यक्ष नायक ने दिया। भाजपा के अजजा मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष कलमसिंह भाबर ने कहा कि वर्तमान में केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाकर लाभ दिलवाने की बात कही।

चुनाव संबंधी दिए आवश्यक टिप्स

अपने उद्बोधन में मुख्य वक्ता खंडवा विधायक वर्मा ने बताया कि त्रि-स्तरीय पंचायत चुनाव संभवतरू अप्रेल माह में होना है, इसके लिए हम अभी से तैयार हो जाए। यह चुनाव पार्टी के लिए काफी महत्वपूर्ण है। हमें इस चुनाव में संपूर्ण प्रदेश में कांग्रेस का सफाया करना है और हर सीट पर कमल का फूल खिलाना है। इसके लिए उन्होंने उपस्थित नेता-पदाधिकारियों को आवश्यक टिप्स तथा निर्देश भी दिए। इस अवसर पर मुख्य रूप से भाजयुमो जिलाध्यक्ष भानु भूरिया, पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश शर्मा, मनोहर सेठिया, अजय पोरवाल, कमलसिंह भाबोर, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष आरती भानपुरिया, रानापुर नगर पंचायत अध्यक्ष सुनिता गोविन्द अजनार, मेघनगर नगर पंचायत अध्यक्ष ज्योति नटवर बामनिया, भाजपा मंडल झाबुआ के अध्यक्ष अंकुर पाठक, किर्तीष राठौर रानापुर, समर्थ उपाध्यक्ष थांदला आदि सहित अन्य पदाधिकारी तथा कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित थे। अंत में आभार प्रफूल्ल गादिया ने माना।

महात्मा गांधी की पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में किया गया पौधरोपण

माही की गूंज, झाबुआ। युवा कार्यक्रम तथा खेल मंत्रालय के अंतर्गत नेहरू युवा केंद्र झाबुआ की जिला युवा अधिकारी प्रीति के मार्गदर्शन में गत दिवस शहीद दिवस के रूप में बनाई जाने वाली महात्मा गांधी जी की 73 वीं पुण्यतिथि के अवसर पर गांधी जी के चित्र पर माल्यार्पण तथा दीप प्रज्वलित किया गया। इसके बाद जिला युवा अधिकारी प्रीति द्वारा महात्मा गांधी जी के जीवन पर प्रकाश डाला गया। जिसके बाद कार्यालयीन कर्मचारियों तथा स्वयंसेवकों द्वारा 2 मिनट का मौन धारण कर देश के शहीदों को श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर झाबुआ के गांधी के नाम से लोकप्रिय पद्मश्री महेश शर्मा, जिला युवा अधिकारी प्रीति तथा कोषाधिकारी मनोज सोलंकी के द्वारा ग्राम धर्मपुरी में पौधरोपण किया गया।

महाविद्यालय में मनाई गई गांधी जी की पुण्यतिथि

शहीद चन्द्रशेखर आजाद, शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय झाबुआ में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) संयुक्त इकाईयों द्वारा महात्मा गांधी जी की पुण्यतिथि को शहीद दिवस के रूप में मनाया गया। शहीद दिवस के अवसर पर संस्था प्रमुख प्राचार्य डॉ. एचएल अनिजवाल ने महात्मा गांधीजी की प्रतिमा पर पुष्पांजली अर्पित कर समस्त प्राध्यापक तथा छात्र-छात्राओं को शपथ दिलाकर दो मिनट का मौन धारण करवाया गया। इसके बाद मद्य निषेध विषय पर निबंध प्रतियोगिता आयोजित की गई। निबंध प्रतियोगिता में 60 छात्र-छात्राओं ने सहभागिता की। जिसमें प्रथम स्थान सीमा डामोर, द्वितीय स्थान राजकुमार डामोर तथा तृतीय स्थान मनीषा देवड़ा ने प्राप्त किया। निर्णायक की भूमिका प्रो. बीएस सिंगार, प्रो. अल्केश बामनिया तथा प्रो. जोसेफ मावी ने निभाई। इस अवसर पर वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. जेसी सिन्हा, डॉ. रविन्द्र सिंह, डॉ. संजू गांधी, प्रो. मंजुला गिरवाल, प्रो. केसी कोठारी, प्रो. रीना गणावा आदि उपस्थित थे।

प्रखर पत्रकार व पुर्व सांसद स्व. श्री वैद्य की प्रतिमा का हुआ अनावरण, महाविद्यालय नामकरण की मांग पर मंत्री ने दिया आश्वासन

माही की गूंज, थांदला।

स्वाधीनता सेनानी, प्रखर पत्रकार, पूर्व सांसद स्व. कन्हैयालाल वैद्य की प्रतिमा का अनावरण सोमवार को उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. मोहन यादव ने किया। समारोह की अध्यक्षता नगर परिशद अध्यक्ष बंटी डामौर ने की। चिंतक, लेखक, पूर्व राज्यसभा सदस्य मामा बालेश्वर दयाल बालोद्यान मे स्व. वैघ की प्रतिमा स्थापित की गई।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता वरिष्ठ पत्रकार व संपादक अर्जुनसिंह चंदेल उज्जैन, भाजपा जिलाध्यक्ष लक्ष्मणसिंह नायक, भाजपा प्रदेश मंत्री संगीता सोनी, पूर्व विधायक कलसिंह भाभर ने विचार रखें। बतौर अतिथि पूर्व सांसद उज्जैन सत्यनारायण पंवार, म.प्र. शासन असंगठित कामगार कल्याण बोर्ड के पूर्व चेयरमेन सुल्तानसिंह शेखावत, इतिहासविद् डॉ केके त्रिवेदी, पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष नारायण भटट्, पूर्व पार्षद नगर निगम उज्जैन कलावती यादव मंचासीन थे।

इस मौके पर मंत्री डॉ यादव ने स्व. वैद्य की देश सेवाओं को याद किया। मंत्री श्री यादव ने कहा, वैद्य जी की पत्रकारिता के लेखन ने तलवार से भी बढकर आजादी के आन्दोलन में कार्य किया, उन्होने रियासत के राजाओं से टकराकर जनता को उनके जुर्म, अन्याय एंव शोषण से मुक्त कराया, अपनी लेखनी के जौहर से राजा को गद्दी से भी उतारा। वैद्य जी के संघर्षशील व्यक्तित्व को याद करते हूए मंत्री यादव ने कहा, कन्हैयालाल वैद्य की छवि गुरू गोलवलकर की स्मृति को याद दिलाती है, वे यहॉ तक बोल गए कि, जिस प्रकार भगवान कृष्ण ने अपने कर्म से अन्याय के प्रतीक कंस का वद्य किया उसी प्रकार वैद्य ने अपने पुरूषार्थ का परिचय दिया। समोराह में मंत्री डॉ. यादव ने नई शिक्षा नीति पर प्रकाश डाला तथा शिक्षा के क्षैत्र में म.प्र. सरकार के द्वारा किए जा रहे नवाचार की जानकारी दी।

मुख्य वक्ता पत्रकार श्री चंदेल ने कहा कि, वैद्य जी की पत्रकारिता ने दासता के प्रति प्रतिकार किया, उन्होने पत्रकारिता के धर्म एंव वसूलो से जनता की आवाज को मुखर किया, पत्रकारिता के सिद्धान्तों से उन्होने कभी समझौता नही किया।

महाविद्यालय नामकरण की मांग

समारोह में राष्ट्रीय पत्रकार मोर्चा के केसी यादव, मुख्य वक्ता पत्रकार अर्जुनसिंह चंदेल एंव कन्हैयालाल वैद्य पत्रकार समिति ने स्वर्गीय वैघ की स्मृति में स्थानीय महाविद्यालय का नामकरण करने की मांग रखी एंव ज्ञापन सौपा। मंत्री यादव ने इस मामले में उचित कार्रवाई का भरोसा दिलाया। परिषद अध्यक्षा डामौर ने खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के लिए शहर मे खेल स्टेडियम के लिए ध्यान आकर्षित किया।

मंत्री ने नारा लगाया

स्वर्गीय वैद्य की प्रतिमा अनावरण के समय मंत्री डॉ. यादव ने स्वयं कन्हैयालाल वैद्य अमर रहे का उदघोष किया, समूचा वातावरण राष्ट्र भावना से गूंज उठा।

विशेषांक का विमोचन

वैद्य जी के व्यक्तित्व एंव कृतित्व पर प्रकाशित एक समाचार-पत्र के विशेषांक का विमोचन अतिथियों ने किया, यह विशेषांक पत्रकार केसी यादव के संयोजन में प्रकाशित हुआ।

मंत्री मंच से उतरे और चरण स्पर्श किया

समारोह में उस समय श्रोताओं का ध्यान आकर्षित हूआ जब समाज सेवी ओमप्रकाश अग्रवाल उज्जैन का नाम मंत्री के स्वागत के लिए पुकारा गया, तब डॉ. यादव स्वयं मंच से उतरे और दर्शक दीर्घा में आकर अग्रवाल के पैर छुए। इस अवसर पर समारोह में उज्जैन, भोपाल, झाबुआ, रतलाम, नागदा आदि शहरों से आए गणमान्य व पत्रकारगण मौजूद थे ।

संपादकीय

महामारी के दौरान बढ़ी अमीर-गरीब के बीच खाई

अगर महामारी के दौर में गैर बराबरी इसलिए बढ़ जाए कि धनी तबकों ने उस दौरान दी गई राहत का लाभ उठा लिया, तो उससे समझा जा सकता है कि दुनिया भर में सरकारों ने इस कैसी नीतियां अपनाई? ये कहानी लगभग पूरी दुनिया की है। सरकारों ने महामारी से उबरने की कोशिश में बाजार में नकदी की मात्रा बढ़ाने की कोशिश की। लेकिन कॉरपोरेट सेक्टर ने आसान शर्तों पर मिले कर्ज या सहायता का निवेश समाज में नही किया। बल्कि उस रकम को शेयर बाजार में लगाया। इस तरह उन्होंने शेयर सूचकांक उछलते चले गए। इससे वहां निवेश करने वाले लोगों की संपत्ति अकूत ढंग से बढ़ती चली गई। ये कहानी भारत की भी है, जहां जिस समय करोड़ों लोग रोजगार जाने के कारण मुसीबत में हैं, वहीं बीएसई सेंसेक्स 50 हजार के आंकड़े को पार कर गया। इसलिए इसमें कोई शक नहीं कि बड़ी कंपनियों का धन और भी ज्यादा बढ़ गया है।

कोविड-19 महामारी के दौरान असमानता में सबसे अधिक वृद्धि हुई है, ये बात पहले से भी जाहिर थी, लेकिन पिछले हफ्ते ब्रिटिश गैर-सरकारी संस्था ऑक्सफैम इंटरनेशनल की रिपोर्ट ने इस बात को आंकड़ों के साथ पेश कर दिया। विश्व आर्थिक मंच (डब्लूईएफ) के ऑनलाइन दावोस एजेंडा शिखर बैठक में एक सत्र में संबोधित करते हुए ऑक्सफेम के एक अधिकारी ने कहा- 'समानता एक सैद्धांतिक और गंभीर रूपरेखा है और यह जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए महत्वपूर्ण है। हम सरकारों की असमानता को दूर करने में विफलता की कीमत चुका रहे हैं। हमने असमानता में सबसे अधिक वृद्धि हाल मं देखी है।' ऑक्सफेम का निष्कर्ष है कि महामारी की आर्थिक मार से उबरने में अरबों लोगों को एक दशक से अधिक का समय लग सकता है। इस संगठन की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक कोरोना वायरस महामारी पिछले सौ वर्षों का सबसे बड़ा स्वास्थ्य संकट है और इसके चलते 1930 की महामंदी के बाद सबसे बड़ा आर्थिक संकट पैदा हुआ। लेकिन लॉकडाउन के दौरान भारतीय अरबपतियों की संपत्ति 35 फीसदी बढ़ी और 2009 से इन अरबपतियों की संपत्ति 90 फीसदी बढ़कर 422.9 अरब डॉलर हो गई है। इसके बाद भारत अरबपतियों की संपत्ति के मामले में विश्व में अमेरिका, चीन, जर्मनी, रूस और फ्रांस के बाद छठे स्थान पर पहुंच गया है। अब यह हम पर है कि इसे एक उपलब्धि मानकर इस पर गर्व करें या फिर इस पर रोयें।

चाणक्य नीति

ऐसा एक भी दिन नहीं जाना चाहिए जब आपने एक श्लोक, आधा श्लोक, चौथाई श्लोक, या श्लोक का केवल एक अक्षर नहीं सीखा, या आपने दान, अभ्यास या कोई पवित्र कार्य नहीं किया।

एक सलाह

वक्त और किस्मत पर कभी घमंड मत करना, सुबह उनकी भी होती है जिनके दिन खराब होते है।

काम की बात

मैदान में हारा इंसान फिर से जीत सकता है, लेकिन मन से हारा इंसान कभी नहीं जीत सकता।

बजट 2021 और जीडीपी विकास दर में होने वाला परिवर्तन

पिछला पूरा वर्ष 2020 कोविड-19 की भेंट चढ़ गया और इसलिए 1 फरवरी 2021 को पेश होने वाला बजट मुख्यतः स्वास्थ्य पर केंद्रित रहा। इसे हम रिकवरी वाला बजट भी कह सकते हैं, क्योंकि जैसे लंबी बीमारी से रिकवर होने के लिए मरीज को अपनी डाइट का विशेष ध्यान रखना पड़ता है। अनुशासन में रहना पड़ता है। उसे रिकवरी के लिए कुछ समय चाहिए होता है और इस दौरान उसकी जीवन शैली में भी बड़े बदलाव होते हैं, इसी प्रकार इस बजट में भी देश के नागरिकों के स्वास्थ्य, देश की अर्थव्यवस्था के स्वास्थ्य और देश के शहरों के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दिया गया है। इसबार का टोटल हेल्थ बजट 2 लाख 23 हजार करोड़ रुपए है जो पिछली बार की तुलना में 137ः ज्यादा है।

आत्मनिर्भर भारत को आगे बढ़ाने के लिए इसमें पूरी तैयारी की गई है। कैपिटल एक्सपेंडिचर को बहुत ज्यादा बढ़ाने की बात की गई है यानी इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर में बड़े निवेश करने की तैयारी है। हालांकि वित्तीय घाटा बढ़ रहा है लेकिन सरकार ने अपने खर्च में यानी सोशल वेलफेयर और तमाम अन्य क्षेत्रों में होने वाले एक्सपेंडिचर पर कोई कटौती नहीं की है, कोई नया कर नहीं लगाया है। कुछ चीजें सस्ती और कुछ महंगी हुई हैं। विदेशों से आयातित वस्तुएं महंगी हुई हैं किंतु स्वदेशी चीजें पहले से सस्ती होंगी। मोबाइल फोन अब महंगा होगा किंतु सोना-चांदी अब सस्ता होगा। इस बजट में प्रमुखतः कृषि क्षेत्र में सरकार ने अधिक जोर दिया है। कृषि क्षेत्र को 75 हजार एक सौ करोड़ रुपए से ज्यादा दिए गए हैं, कृषि क्षेत्र में एमएसपी पर कई बड़े बदलाव किए गए हैं, यहां पर लागत का डेढ़ गुना ज्यादा फायदा मिलेगा। पारदर्शिता के तहत एक हजार मंडियों का डिजिटलीकरण किया जाएगा। मंडिया ई-नैब से जोड़ी जाएंगी। मछली पालन के लिए हब बनाए जाएंगे।

इस बजट को हेल्थ बजट भी कहा जा सकता है। इसमें 2.24 लाख करोड़ रुपए स्वास्थ्य को, 35 हजार करोड़ रुपए वैक्सीन को, 1.10 लाख करोड़ों रुपए रेलवे को, 1.18 लाख करोड़ रुपए सड़कों के लिए, 65 हजार करोड़ रुपए राष्ट्रीय राजमार्ग बनाने के लिए, 2.27 लाख करोड़ रुपए जल जीवन मिशन को, 2.21 हजार करोड़ रुपए वायु प्रदूषण से निपटने के लिए, एमएसएमई सेक्टर को 15.7 हजार करोड़ रुपए दिए गए हैं। रिसर्च फाउंडेशन को 50 हजार करोड़, स्वच्छ भारत मिशन को 1.41 लाख करोड़ रुपए दिए गए हैं। इसके अतिरिक्त डिजिटल भुगतान के लिए पंद्रह सौ करोड़, ग्रामीण इंफ्रास्ट्रक्चर पर 40 हजार करोड़, सरकारी बैंकों पर 20 हजार करोड़ रुपए खर्च करने की योजना है।

इस बजट में देश के नागरिकों के स्वास्थ्य, सरकारी संपत्तियों के स्वास्थ्य और देश की अर्थव्यवस्था के स्वास्थ्य में सुधार के लिए कई बड़े कदम उठाए गए हैं, जैसे एलआईसी का अब आईपीओ आएगा यानी सरकार एलआईसी के शेयर अब बाजार में बेचेगी। इसी तरह दूसरी कंपनियों के लिए भी ऐलान हो सकते हैं इसको विनिमेश कहते हैं। इससे सरकार को जो अतिरिक्त आमदनी होगी, उसे वह अपनी बाकी की योजनाओं और खर्चे पूरा करने के लिए प्रयोग में लाएगी। इस तरह सरकार कोशिश कर रही है कि वह जहां-जहां से भी अतिरिक्त आमदनी कर सके, वह करे और उसके द्वारा देश की अर्थव्यवस्था को लाभ पहुंचाया जाए। छोटी कंपनियों की परिभाषा बदल दी जाएगी। कंपनियों की कैपिटल वैल्यू के आधार पर इसकी परिभाषा तय की जाएगी, जैसे शेयर मार्केट में किसी कंपनी की वैल्यू दो करोड़ है और उसका सालाना टर्नओवर 20 करोड़ है तो वह छोटी कंपनी मानी जाएगी। पहले यह सीमा सिर्फ50 लाख रुपए हुआ करती थी। हम कह सकते हैं कि कोरोना वायरस से उभर रही दुनिया के लिए सरकार ने इसे प्रो एक्टिव बजट बनाने की कोशिश की है।

सरकार का अनुमान है कि देश की जीडीपी का विकास वी शेप में होगा, यानी इसे विकास की विक्ट्री के रूप में देखा जा सकता है। अनुमान लगाया जा रहा है कि कोरोना वायरस की वजह से जीडीपी की विकास दर में जो गिरावट पिछले एक साल में हुई है, उसकी न सिर्फ भरपाई हो जाएगी बल्कि अगले वित्तीय वर्ष यानी वर्ष 2021 और 22 में भारत की जीडीपी विकास दर 11ः से भी ज्यादा हो सकती है। 2019 और 20 में देश की जीडीपी विकास दर 4.18ः थी, जो 2020 और 21 में घटकर -7.7ः रहने का अनुमान है। फिर वर्ष 2021 और 22 में जीडीपी विकास दर वापस उछलकर 11ः तक जा सकती है। दुनिया में आर्थिक स्थिरता के लिए काम करने वाली संस्था श्इंटरनेशनल मॉनेटरी फंडश् का अनुमान है कि अगले कारोबारी साल में दुनिया में सबसे ज्यादा जीडीपी ग्रोथ रेट भारत का होगा और यह साढ़े ग्यारह प्रतिशत तक हो सकता है।

रंजना मिश्रा

2020 में जहां दुनियाभर के देशों में फॉरेन डायरेक्ट इन्वेस्टमेंट 42ः तक घट गया था, वहीं भारत में यह तस्वीर पूरी तरह अलग थी। भारत में एफडीआई में 13ः की बढ़ोतरी हुई और पूरी दुनिया में सबसे ज्यादा एफडीआई भारत में आया और पूरी दुनिया में भारत इस मामले में पहले स्थान पर है। भारत के बाद चीन दूसरे स्थान पर है, जहां एफडीआई में 4ः की बढ़ोतरी हुई। इसका अर्थ यह है कि दुनिया भर की बड़ी-बड़ी कंपनियों ने सबसे ज्यादा निवेश भारत में किया और फिर चीन में किया अर्थात भारत चीन से इस मामले में आगे है।

(लेखिका स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

म्यांमार में तख्ता- पलट

भारत के पड़ौसी देश म्यांमार (बर्मा या ब्रह्मदेश) में आज सुबह-सुबह तख्ता-पलट हो गया। उसके राष्ट्रपति बिन मिन्त और सर्वोच्च नेता श्रीमती आंग सान सू की को नजरबंद कर दिया गया है और फौज ने देश पर कब्जा कर लिया है। यह फौजी तख्ता-पलट सुबह-सुबह हुआ है जबकि अन्य देशों में यह प्रायः रात को होता है। म्यांमार की फौज ने यह तख्ता इतनी आसानी से इसीलिए पलट दिया है कि वह पहले से ही सत्ता के तख्त के नीचे घुसी हुई थी। 2008 में उसने जो संविधान बनाया था, उसके अनुसार संसद के 25 प्रतिशत सदस्य फौजी होने अनिवार्य थे और कोई चुनी हुई लोकप्रिय सरकार भी बने तो भी उसके गृह, रक्षा और सीमाकृ इन तीनों मंत्रालयों का फौज के पास रखा जाना अनिवार्य था। 20 साल के फौजी राज्य के बावजूद जब 2011 में चुनाव हुए तो सू की की पार्टी 'नेशनल लीग फॉर डेमोक्रेसी' को स्पष्ट बहुमत मिला और उसने सरकार बना ली।

फौज की अड़ंगेबाजी के बावजूद सू की की पार्टी ने सरकार चला ली लेकिन फौज ने सू की पर ऐसे प्रतिबंध लगा दिए कि सरकार में वह कोई औपचारिक पद नहीं ले सकीं लेकिन उनकी पार्टी फौजी संविधान में आमूल-चूल परिवर्तन की मांग करती रही। नवंबर 2020 में जो संसद के चुनाव हुए तो उनकी पार्टी ने 440 में से 315 सीटें 80 प्रतिशत वोटों के आधार पर जीत लीं। फौज समर्थक पार्टी और नेतागण देखते रह गए। अब 1 फरवरी को जबकि नई संसद को समवेत होना था, सुबह-सुबह फौज ने तख्ता-पलट कर दिया। कई मुख्यमंत्रियों, मंत्रियों और मुखर नेताओं को भी उसने पकड़कर अंदर कर दिया है। यह आपात्काल उसने अभी अगले एक साल के लिए घोषित किया है। उसका आंरोप है कि नवंबर 2020 के संसदीय चुनाव में भयंकर धांधली हुई है। लगभग एक करोड़ फर्जी वोट डाले गए हैं। म्यांमार के चुनाव आयोग ने इस आरोप को एकदम रद्द किया है और कहा है कि चुनाव बिल्कुल साफ-सुथरा हुआ है। अभी तक फौज के विरुद्ध कोई बड़े प्रदर्शन आदि नहीं हुए हैं लेकिन दुनिया के सभी प्रमुख देशों ने इस फौजी तख्ता-पलट की कड़ी भर्त्सना की है और फौज से कहा है कि वह तुरंत लोकतांत्रिक व्यवस्था को बहाल करे, वरना उसे इसके नतीजे भुगतने होंगे। भारत ने भी दबी जुबान से लोकतंत्र की हिमायत की है लेकिन चीन साफ-साफ बचकर निकल गया है। वह एकदम तटस्थ है। उसने बर्मी फौज के साथ लंबे समय से गहरी सांठ-गांठ कर रखी है। बर्मा 1937 तक भारत का ही एक प्रांत था। भारत सरकार का विशेष दायित्व है कि वह म्यांमार के लोकतंत्र के पक्ष में खड़ी हो।

(लेखक, भारतीय विदेश नीति परिषद के अध्यक्ष हैं)

डॉ. वेद प्रताप वैदिक

मीडिया के लिए राष्ट्रीय नीति जरुरी

एक कहावत है कि एक झूंठ को सौ बार प्रचारित किया जाए तो वह लगभग सत्य जैसी ही प्रतीत होने लगती है। भारत देश में लंबे समय से ऐसा ही कुछ होता दिखाई दे रहा है, जिसमें सच पर पर्दा डालने का कार्य किया जा रहा है। अभी हाल ही नई दिल्ली में भारत की सांस्कृतिक विरासत के प्रतीक लाल किले पर कुत्सित मानसिकता वाले उपद्रवियों ने जो उत्पात मचाया, उसकी देश एक स्वर से निंदा कर रहा है, लेकिन कुछ समाचार चौनल आज भी यही प्रचारित कर रहे हैं कि वे किसान हैं और जो हिंसा हुई है, वह पुलिस ने की है, जबकि वीडियो क्लिपिंग में यह साफदिखाई दे रहा था था कि ट्रैक्टर चालकों का उद्देश्य क्या था? वे पुलिस को चपेट में लेने के लिए उतावले थे। इतना ही नहीं उन्होंने पुलिस को पीटा भी। ऐसे में सवाल यह भी उठता है कि मार खाने की भी एक सीमा होती है। ऐसा लगता है कि देश के मीडिया को यह सब नहीं दिखा।

सांस्कृतिक वातावरण से कोसों दूर जाने वाली हमारे देश की जनता भी इस झूंठ को सत्य मानने के लिए विवश हो जाती है। इसके परिणाम स्वरुप समाज के समक्ष गंभीर चेतावनी फन उठाकर खड़ी हो जाती हैं। लेकिन लम्बे समय बाद जब सत्य सामने आता है, तब मीडिया जगत में उसकी चर्चा उतनी नहीं होती, जितनी झूंठ की होती है। आज हमारे देश के प्रचार तंत्र ने नकारात्मक पत्रकारिता की दिशा में अपने कदम बढ़ाए हैं। वास्तव में यह नकारात्मकता कुछ समय के लिए सुर्खियां तो बन सकती हैं, लेकिन समाज के समक्ष बहुत बड़े ज्वलंत सवालों का पुलिन्दा छोड़कर चली जाती है। किसी भी घटना की सत्यता की परख किए बिना उसे समाचारों की सनसनी बना देना किसी भी प्रकार से सही नहीं माना जा सकता। वर्तमान में टीआरपी की मारामारी में हमारे प्रचार माध्यमों को किस सीमा तक पहुंचा दिया है, यह हम देख भी रहे हैं और परिणाम भी भुगत रहे हैं।

अर्थ युग में जीने वाले प्रचार माध्यमों ने कई बार ऐसी खबरों को सनसनी बनाया है, जिसमें होता कुछ और है और वास्तविकता कुछ और। कुछ समय पूर्व घटित हुए रोहित वेमुला प्रकरण के बारे में कथित वामपंथी बुद्धिजीवियों ने ऐसा प्रचारित करने का प्रयास किया, जैसे ऐसा प्रकरण देश में पहली बार हुआ हो, इसके बाद हमारे देश के मीडिया ने भी लगभग आग में घी डालने जैसी भूमिका का निर्वाह किया। सभी लोग केन्द्र सरकार के पीछे ऐसे पड़ गए जैसे पूरा देश जल गया हो। रोहित वेमुला प्रकरण में जांच के उपरांत जो सत्य सामने आया, वह एकदम विपरीत चित्र प्रस्तुत करने वाला रहा। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यही आता है कि इन कथित वामपंथी बुद्धिजीवियों ने उस समय अपने विवेक का उपयोग क्यों नहीं किया। घटना की सत्यता को जाने बिना उसे तिल का ताड़ क्यों बनाया। इसके अलावा मीडिया ने भी इस घटना की सत्यता का अध्ययन न करते हुए केवल वही दिखाने का प्रयास किया, जैसे इन कथित वामपंथी बुद्धिजीवियों ने चाहा। क्या यही निष्पक्ष पत्रकारिता का चेहरा है। वास्तव में मीडिया को भी खबरों को प्रस्तुत करने से पहले राष्ट्रीय नीतियों के बारे में भी सोचना चाहिए। नकारात्मक पत्रकारिता की बजाय सकारात्मक पत्रकारिता को प्रस्तुत करने वाली समाचार प्रस्तुत करना चाहिए। यह बात सही है कि मीडिया की भूमिका एक अच्छे समाज का निर्माण करने में सहायक हो सकती है, लेकिन यह केवल तभी हो सकता है, जब हम हम समाज की अच्छाइयों के बारे में चिंतन करें। वर्तमान में हम देख रहे हैं कि समाज की बुराई को भी सनसनी बनाकर परोसा जा रहा है। इन समाचारों में समाचार माध्यम पूरे विवरण के साथ यहां तक बता देते हैं कि यह घटना कैसे घटित हुई। यानी मीडिया ने समाज के सामने घटना करने का एक नया तरीका बता दिया। मुझे याद है दिल्ली की एक घटना। जिसमें एक चोर में बहुत ही बुद्धिमानी के साथ चोरी को अंजाम दिया। उसके तरीके पर समाज ही नहीं बल्कि प्रशासन भी अवाक था। जब चोर से पूछा गया कि यह तरीका उसको कैसे मिला तो उसने जो जवाब दिया वह आंखें खोलने वाला है। चोर ने कहा कि मुझे चोरी करने का यह नया विचार चौनलों ने दिया। आज हमारे चौनल भी कुछ ऐसा ही प्रस्तुत करते दिखाई दे रहे हैं। समाचारों में पूरी तरह दिशाहीनता है। वास्तव में मीडिया को पथ प्रदर्शक बनकर समाज को राह दिखाने का काम करना चाहिए। बिना किसी आधार के खबरों को सनसनी प्रदान करना किसी भी दृष्टि से न्याय संगत नहीं माना जा सकता।

आज मीडिया पर जिस प्रकार की खबरें प्रसारित की जा रही हैं, उससे प्रथम दृष्टया ऐसा ही लगता है कि मीडिया के लिए भी ऐसी राष्ट्रीय नीति बनना चाहिए, जिससे मीडिया पर निगरानी हो सके। इस कार्य में किसी भी प्रकार की राजनीति नहीं की जानी चाहिए। वास्तव में जहां राष्ट्रनीति की बात आ जाती है तो वहां पर राजनीति समाप्त हो जाना चाहिए, लेकिन हमारे देश में इसका उलटा ही दिखाई देता है। राष्ट्रनीति पर भी राजनीति की जाने लगी है। कुछ महीने पूर्व देश के एक समाचार चौनल ने पठानकोट के आतंकी हमले को इस प्रकार प्रसारित किया, जैसे वह पाकिस्तान का चौनल हो। उसने साफशब्दों में कहा कि आतंकी जहां छुपे हैं, उनसे कुछ ही दूरी पर विस्फोटक सामग्री रखी है, अगर वह उसके हाथ लग जाए तो तबाही हो सकती है। इस खबर में एक प्रकार से हम उन आतंकियों को यह बताने का प्रयास कर रहे हैं कि तुम्हारे पास ही विस्फोटक सामग्री है। ऐसी खबरें देश को बहुत बड़े खतरे की ओर ले जा सकती हैं। जब केन्द्र सरकार ने इस चौनल पर एक दिन का प्रतिबंध लगाया, तब देश के राजनीतिक दलों ने राष्ट्रनीति को भुलाकर राजनीति करना शुरु कर दी। मात्र एक चौनल पर प्रतिबंध लगाने की बात को सारे मीडिया पर आघात कहा गया। ऐसे में सवाल यह आता है कि हमारे राजनेताओं को ऐसा क्यों लगा कि सारे मीडिया पर प्रतिबंध लगा दिया है, जबकि वास्तविकता यह थी कि केवल एक चौनल के अलावा सारे चौनलों पर प्रसारण जारी रहा।

चाहे किसान आंदोलन का मामला हो या फिर अन्य, सभी में राजनीति करने का पूरा प्रयास हुआ। कौन नहीं जानता कि गाय भारत की आस्था है फिर क्यों उसे सरेआम काटकर खाया गया। इसके लिए गाय का ही चयन क्यों किया गया। यह ऐसे मुद्दे हैं जिन पर अभिव्यक्ति की आजादी और खाने के अधिकार के तहत बचाव करने की राजनीति की जाती है। ऐसे मामलों में राजनीतिक दलों को तो राष्ट्रीय मर्यादाओं का पालन करना ही चाहिए, साथ ही मीडिया को भी निष्पक्ष भाव से खबरें प्रस्तुत करना चाहिए। वास्तविकता यह भी है कि इन सभी घटनाओं को केवल इसलिए उभारने का प्रयास किया गया ताकि वर्तमान केन्द्र सरकार को बदनाम किया जा सके। वास्तव में इस प्रकार की राजनीति बंद होना चाहिए।

लेखक- सुरेश हिंदुस्थानी

छल-बल बनाम अन्नदाता

गणतंत्र दिवस के दिन राजधानी दिल्ली में किसान आंदोलन के संदर्भ में जो कुछ भी घटित हुआ वह बेहद शर्मनाक व निंदनीय तो जरूर था परन्तु यह सब पूर्णतयः अनअपेक्षित कतई नहीं था। किसान नेताओं द्वारा बार बार इस बात की शंका व्यक्त की जा रही थी कि आंदोलन को बदनाम व कमजोर करने की पूरी कोशिश की जा रही है। यहां तक कि कई आंतरिक सुरक्षा विशेषज्ञ भी इस बात को लेकर चिंतित थे कि किसी भी आंदोलन के लंबा खिंचने पर उसमें राष्ट्र विरोधी शक्तियों का दखल होने की संभावना बढ़ जाती है। लाल किले पर अनावश्यक रूप से सैकड़ों अवांछित लोगों का प्रवेश और कई जगहों पर हिंसा के दृश्य उन्हीं शंकाओं व चिंताओं के परिणाम कहे जा सकते हैं। परन्तु इस दुःखद घटना के बाद जिस तरह गोदी मीडिया व सरकारी हित चिंतकों द्वारा रटे रटाए पाठ की तरह एक ही भाषा का इस्तेमाल कर किसान आंदोलन पर कालिख पोतने की कोशिश की गयी वह उससे भी अधिक निंदनीय है। प्रचारित यह किया गया कि लाल किले पर किसानों द्वारा राष्ट्रीय ध्वज हटाया गया और वहां खालिस्तान झंडा फहराया गया। राष्ट्रीय ध्वज को हटाना और उसकी जगह खालिस्तानी ध्वज फहराना, वह भी लाल किले की प्राचीर पर और उपद्रवी भीड़ के बल पर,निश्चित रूप से यह खबर श्राष्ट्रभक्तोंश् को उत्तेजित करने तथा किसान आंदोलन का विरोध करने वालों को ऊर्जा देने के लिए पर्याप्त है। दिल्ली में किसान आंदोलन स्थल से लेकर और भी कई जगहों पर इस श्कथित राष्ट्र विरोधीश् घटना को लेकर प्रतिक्रिया के समाचार भी मिले। परन्तु यदि इसी खबर का वास्तविक पक्ष देखें तो पता चलता है कि न केवल लाल किले तक किसानों के एक धड़े का कूच करना किसान आंदोलन को बदनाम करने की साजिश का एक अहम हिस्सा था बल्कि लाल किले की प्राचीर पर झण्डा लहराने की खबर को उकसावे की खबर के रूप में पेश करना और आंदोलनकारी किसानों को खालिस्तानी बताना भी उसी साजिश का नतीजा था।

सोचने का विषय है कि न तो लाल किले से राष्ट्रीय ध्वज हटाया गया न ही उसका अपमान किया गया और न ही उसकी जगह खालिस्तानी ध्वज लहराया गया। बल्कि एक प्राचीर पर कुछ शरारती तत्वों द्वारा सिक्खों का पवित्र निशान साहब लगाया गया और उसी के साथ किसान आंदोलन का ध्वज भी लगाया गया। जिस समय कुछ शरारती लोग यह सब कार्रवाई कर रहे थे ठीक उसी समय कई जिम्मेदार किसान नेता उपद्रवियों को लाल किले में घुसने व इस तरह का गैर जरूरी काम करने से रोक भी रहे थे। परन्तु मीडिया को उनके नेक प्रयासों को दिखाने के बजाए पूरे आंदोलन पर इस एक घटना की कालिख पोतना ज्यादा फायदे का सौदा नजर आया। हद तो यह कि खालिस्तान समर्थकों की एक कैलीफोर्निया,अमेरिका की एक ऐसी पुरानी वीडिओ को वॉयरल कर इसे दिल्ली के किसानों के आंदोलन की वीडिओ बताया गया जिसमें कोई सिख युवक तिरंगे का अपमान करते व खालिस्तानी परचम उठाए हुए दिखाई दे रहा है। गोया अफवाह का सहारा लेकर किसान आंदोलन में पलीता लगाने की भरपूर कोशिश की गयी।

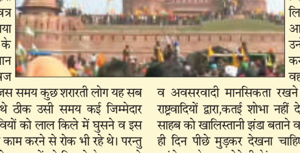

रहा सवाल तिरंगे व सिक्खों के पवित्र निशान साहब का तो सर्वप्रथम तो जिस तिरंगे के अपमान का झूठा प्रोपेगंडा किया जा रहा है और जिन किसानों पर तिरंगे के अपमान का ठीकरा फोड़ने की कोशिश की जा रही है ऐसे अवसरवादी राष्ट्र भक्तों को यह नहीं भूलना चाहिए कि इन्हीं किसान परिवारों के घरों में सीमा पर शहीद होने वाले सैनिकों की लाशें जिस तिरंगे में लिपटकर उनके घर आंगन में आती हों उन्हें तिरंगे की कद्र करने की शिक्षा देना वह भी व्यवसायिक व अवसरवादी मानसिकता रखने वाले तथाकथित राष्ट्रवादियों द्वारा,कतई शोभा नहीं देता। दूसरा निशान साहब को खालिस्तानी झंडा बताने वालों को अभी कुछ ही दिन पीछे मुड़कर देखना चाहिए जबकि किसान आंदोलन के शुरू होते ही केंद्र सरकार की ओर से आई आर सी टी सी ने करोड़ों लोगों को ईमेल भेज कर यह प्रचारित करना चाहा था कि सिख समाज से प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के कितने घनिष्ठ व आत्मिक संबंध हैं। इस सचित्र व वीडिओ वाली विस्तृत ई पत्रिका में स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उसी निशान साहब में दर्शाए जाने वाले खंडा साहब से सुसज्जित रुमाला अपने मस्तक पर बांधे नजर आते हैं। यही नहीं सेना के अनेकानेक सिख यूनिटों में यही निशान साहब का परचम लहराते देखा जा सकता है जो सिख समाज को प्रेरणा देता रहता रहता है। गणतंत्र दिवस परेड में भी युद्धक वाहनों पर अनेक बार निशान साहब लहराता देखा गया है। परन्तु अफसोस कि जब यही श्धर्म ध्वजाश् सत्ता के विरुद्ध हो रहे आंदोलन में इस्तेमाल की गयी,वह भी कुछ ऐसे उपद्रवी लोगों द्वारा जिन्हें किसान नेता अपना साथी नहीं बल्कि विरोधियों की साजिश का मोहरा बता रहे हैं, तब यही झंडा खालिस्तानी ध्वज हो जाता है ?

तनवीर जाफरी

बेशक उन चेहरों को बेनकाब जरूर करना चाहिए जिनकी साजिश के चलते लाल किले में घुसपैठ की कोशिश की गयी परन्तु उन लोगों के विरुद्ध भी कठोरतम कार्रवाई की जानी चाहिए जो तिरंगे के अपमान का विलाप केवल साजिश के तहत कर रहे थे और उनके विरुद्ध भी कार्रवाई की दरकार है जो विवादित खालिस्तानी ध्वज व निशान साहब में भेद करना नहीं जानते और अपनी गलत जानकारी को प्रचारित कर देश का सद्भावपूर्ण माहौल खराब करने व किसान आंदोलन पर अलगाववाद का ठप्पा लगाना चाह रहे हैं। किसी भी पक्ष द्वारा इस आंदोलन को धर्म व संप्रदाय का रंग देने की कोशिश हरगिज नहीं की जानी चाहिए। सरकार को किसानों की मांगों को स्वीकार करना चाहिए और यह समझना चाहिए कि 21वीं सदी का अन्नदाता छल और बल से घबराने व पीछे हटने वाला नहीं है।

पौराणिक तीर्थ तक्षकेश्वर में पर्यावरण विनाश का तांडव, मृतकों की अस्थियों व भस्म ने किया कुंड के जल को प्रदूषित

जिम्मेदारों की उदासीनता चढ़ी परवान

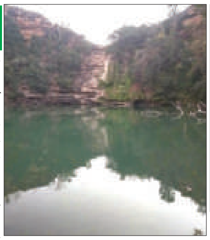

माही की गूंज, भानपुरा/मंदसौर। साहिल अगवान

भानपुरा का प्रसिद्ध पौराणिक तीर्थ तक्षकेश्वर धाम जिसे प्रागैतिहासिक युगीन साक्ष्यो शैलचित्रों, विपुल वनस्पतियों के भंडार के साथ नागराज तक्षक को समर्पित देवालय व धनवंतरीजी की मोक्ष स्थली के रूप में मालवा मेवाड़ व हाडौती के लाखों श्रद्धालु की आस्था का केंद्र माना जाता था। जो अपने भव्य प्रपात तथा बारह माह बहने वाली जलधाराओं व झरनों के कारण प्रसिद्ध पर्यटन स्थल रहा, अब इसके अस्तित्व का संकट अचानक खड़ा हो गया है। ताखा जी कुंड के भरण स्रोत के सूख जाने को लेकर अंचल के पर्यावरण प्रेमी पूरावेत्त डॉ. प्रद्युमन भट्ट ने चिंता जाहिर करते हुए पर्यावरण मंत्रालय को भी पत्र लिखा है।

ताखाजी का कुंड जनवरी माह में ही ग्रीष्मकालीन औसत स्तर से 5 फीट गहरा चला गया है व जलधाराएं सूख गई है। एक तथ्य सामने आया है कि, ताखाजी परीक्षेत्र में नावली व प्रेमपुरिया में बीते 2 वर्षों में सैकड़ों नलकूपों का खनन हुआ है। जिसका प्रभाव ताखाजी के कुंड के साथ-साथ गोलंबा, अंबाझर, चिब्बड आदि के जल स्रोतों पर पड़ा है। इन सब के चलते वन जीवन के समक्ष अस्तित्व का संकट खड़ा होना स्वाभाविक है। कुंड के पास बहुमूल्य फर्न प्रजातिया नष्ट हो गई है, जो पंचमढ़ी के बाद यहां सर्वाधिक पाई जाती थी, कुंड की दुर्दशा से पर्यटन विकास की संभावना को भी आघात लगा है। यहां की हरीतिमा जल स्रोत की उपलब्धता और जैवविविधता की दृष्टि से इसे बड़ा संकट माना जा सकता है। स्वयंसेवी स्तर पर तथा तक्षकेश्वर विकास समिति का गठन कर स्थिति पर नियंत्रण किया जा सकता है, शासन-प्रशासन से इस क्षेत्र के पर्यटन विकास को लेकर बड़ी उम्मीद है।

बता दे कि, क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों की उदासीनता एवं शासन-प्रशासन की अनदेखी के चलते क्षेत्र के प्राकृतिक पर्यटन स्थलों एवं धार्मिक आस्था के केंद्रों पर पर्यावरण विकास की संभावनाएं धूमिल होती दिखाई दे रही है।

क्षेत्र के इस स्थान को लेकर स्वार्थीयो ने किया कुठाराघात

काफी लंबे समय से ताखाजी के कुंड में मृतकों की अस्थियां व भस्म डाली जाने से कुंड का जल प्रदूषित हो रहा है, क्षेत्र के शैलचित्रों को लेकर भी जनप्रतिनिधियों शासन-प्रशासन की अनदेखी के चलते पर्यावरण विनाश के साथ शैलचित्र को भी क्षति हुई है। पठार क्षेत्र में बेतहाशा नलकूप खनन के चलते एवं पूरे पठार को नलकूप खनन के कारण छलनी किए जाने तथा 500 से 600 फिट तक की गहराई के नलकूप खनन क्षेत्र में होने से ताखाजी कुंड पर भी इसका विपरीत प्रभाव पड़ा है, जिसके चलते वन औषधियों का खतरा भी उत्पन्न हुआ है। पठार क्षेत्र में गहरे नलकूप खनन के चलते बांदराझर, अंबाझर, चिब्बड के झरने भी सूखे हुए हैं। क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों जिम्मेदारों एवं शासन-प्रशासन की अनदेखी के चलते इस क्षेत्र के प्रसिद्ध प्राकृतिक पर्यटन स्थल व धार्मिक आस्था के केंद्र तबाह होने की कगार पर है। अभी भी इस और अगर ध्यान नहीं दिया गया तो इसकी भरपाई करने में बरसों का समय लग सकता हैं।

आज जिले में सीएम का होगा दौरा, अगले 5 वर्षों में शहर के विकास के रोडमैप की करेंगे समीक्षा

माही ही गूंज, रतलाम। मुख्यमंत्री जिले में आज प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत निर्मित आवासों में 101 परिवारों का गृह प्रवेश कराएंगे, जिसके बाद मुख्यमंत्री एक सामान्य परिवार के साथ भोजन करेंगे।

मुख्यमंत्री के इस दौरे को देखते हुए भाजपा ने अपनी तैयारियों पुरी कर ली है। विधायक चेतन कश्यप ने सोमवार को पार्टी के मंडल और वार्ड पदाधिकारियों के साथ बैठक की, व अलग-अलग जिम्मेदारीयां पदाधिकारियों व पार्टी नेताओं को दी गई है।

बता दे कि, मुख्यमंत्री आज दोपहर 12 बजे बंजली हवाई पट्टी पर उतरेंगे, वहीं से सबसे पहले पलसोड़ा जाएंगे और पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा का अनावरण करेंगे। जिसके बाद श्री कालिका माता मंदिर में दर्शन कर कलेक्टोरेट में विभिन्न विभागों द्वारा रतलाम के विकास के लिए पांच सालों के रोडमैप का प्रजेंटेशन देखेंगे। मुख्य कार्यक्रम डोसीगांव में आयोजित किया जाएगा, यहां वे जनसभा को संबोधित करेंगे और प्रधानमंत्री आवास योजना के 101 हितग्राही परिवारों का गृह प्रवेश कराएंगे।

कांग्रेस के पूर्व केंद्रीय मंत्री व झाबुआ विधायक कांतिलाल भूरिया का किया पुतला दहन

माही की गूंज, रतलाम।

हाल ही में कांग्रेस से झाबुआ विधायक कांतिलाल भूरिया का विवादित बयान सामने आया था, जिसमे कांग्रेस नेता कांतिलाल भूरिया ने कहा था कि, भाजपाई राम मंदिर के लिए चंदा एकत्रित कर शाम को नदी किनारे शराब पीते है। इन बयान के बाद हिन्दू धर्मालंबियों को ठेस पहुंची है और रतलाम में हिन्दू समाज के लोगों का आक्रोश देख ने को मिल रहा। कांग्रेस नेता कांतिलाल भूरिया पर जमकर फूटा लोगो का गुस्सा फुटा व लोगों ने कांतिलाल भूरिया के खिलाफजमकर नारिबाज़ी करते हुए पुतला जलाया।

हर हाथ काम अभियान के तहत कार्यक्रम का हुआ आयोजन

माही की गूंज, मन्दसौर। मनरेगा स्थापना दिवस 2 फरवरी को महात्मा गांधी मनरेगा अर्न्तगत ग्राम में निवासरत श्रमिकों को जाबकार्ड देकर रोजगार में नियोजित किए जाने के उददेश्य से जिले में ''हर हाथ को काम अभियान'' चलाया जा रहा है। इस अभियान हेतु जनपद पंचायत की प्रत्येक ग्राम पंचायत में सभी जाबकार्डधारी परिवारों को अधिक से अधिक रोजगार दिया जाकर मानव दिवस का श्रजन कर श्रमिकों के लिए अजीविका की उपलब्धता को सुनिश्चित किया जाएगा। जिसका उद्देश्य उन परिवार तक पहुचना है, जिन्हे अब तक जाबकार्ड नहीं मिले है अथवा जाबकार्ड अक्रियाशील हो गए है, इस हेतु ग्राम पंचायत में कोविड के नियमों का पालन करते हुए रोजगार चौपाल लगाई जाएगी।

कलेक्टर मनोज पुष्प ने बताया कि, जिले में चौपाल के आयोजन हेतु नोडल अधिकारी नियुक्त किए गए है, जिसका उद्देश्य ग्राम पंचायत में रोजगार चौपाल के दौरान श्रमिको की मांग अनुसार उसे काम उपलब्ध कराया जाना, साथ ही यह सुनिश्चित करना कि, कोई भी मजदूर जिसे काम की आवश्यकता हो वह कार्य से वंचित नही रहे। एक सप्ताह की पूरी योजना तैयार किया जाना जिसमें ग्रामवासियों को भी सम्मिलित किया जाए। श्रमिकों के बैंक खातों, मोबाइल नम्बर की जानकारी प्राप्त करना श्रमिक को मनरेगा अंतर्गत कार्य के अधिकार से अवगत कराना। जिन मजदूरों के पास जॉब कार्ड नहीं है उनके जॉबकार्ड हेतु आवेदन प्राप्त करना साथ ही अक्रियाशील हो चुके हो उन्हें पुनः बनाया जाना।

नगर पालिका चुनाव में भाजपा-कांग्रेस 19-19 पर, अब शुरू होगी जोड़-तोड़ की राजनीति

माही की गूंज, झालावाड़/भवानीमंडी।

नगर पालिका चुनाव के 40 वार्डों की मतगणना के बाद आए परिणामों में भाजपा व कांग्रेस ने बराबर 19-19 वार्डों पर कब्जा किया है वही दो निर्दलीय भी चुनाव जीते हैं। अब पालिका अध्यक्ष का फैसला दोनों निर्दलीयों के हाथ में रहेगा। इधर पार्षदों की खरीद-फरोख्त को लेकर दोनों दलों में चर्चा है।

बता दे कि, लगातार 15 वर्षों से नपा में भाजपा का कब्जा है, अभी राजस्थान में कांग्रेस की सरकार होने का फायदा उठाकर जोड़-तोड़कर कांग्रेस अपना अध्यक्ष बनाने में सफल होगी या नहीं सबकी निगाहें इस पर टिकी हुई है। पालिका अध्यक्ष का चुनाव 7 फरवरी और उपाध्यक्ष का चुनाव 8 फरवरी को होगा। घोषित हुए चुनाव परिणाम में सबसे कम एक वोट के अंतर से कांग्रेस के अखीम खान विजयी हुए, जबकि सबसे ज्यादा 387 वोटों से भाजपा के प्रत्याशी महेंद्रसिंह वार्ड क्र. 26 से चुने गए हैं।

भाजपा व कांग्रेस के बीच 26 मतों का अंतर रहा

भाजपा व कांग्रेस को 19-19 वार्ड में जीत मिली है, वहीं दोनों ही पार्टी को मिले कुल वोटों का अंतर भी 26 वोटों का रहा। भाजपा को कुल वोट 10 हजार 707 मत मिले, कांग्रेस को 10 हजार 681 मत प्राप्त हुए हैं। वार्ड क्र. 14 में नोटा बटन पर एक भी वोट नहीं गया, जबकि नोटा बटन पर सबसे ज्यादा 26 वोट वार्ड क्र. 20 में मिलें।

जोड़-तोड़ कर चुना जाएगा नगर पालिका अध्यक्ष

भाजपा व कांग्रेस दोनों दल बहुमत के आंकड़ा 21 तक पहुंचने में सफल हुए हैं। अब चुने हुए पार्षदों की खरीद-फरोख्त का सिलसिला चलना तय माना जा रहा है क्योंकि दोनों ही दलों की निगाहें दोनों निर्दलीय पर तो टिकी हुई हैं। इसके अलावा दोनों से तोड़-फोड़ का भी बराबर डर बना रहेगा। अब यह 21 पार्षदों का आंकड़ा कौन पूरा कर पाता है यह तो 7 फरवरी को ही पता लगेगा।

प्रशासन ने मेडिकल दुकानों का निरिक्षण कर एक्सपायरी दवाईयों को किया जप्त

माही की गूंज, आलीराजपुर। विगत दिनो कलेक्टर सुरभि गुप्ता बैठक मे संबधित अधिकारियो को जिले मे स्वास्थ्य सेवाओ की बेहतर क्रियांवयन को लेकर मेडिकल दुकानो का निरक्षण करने के निर्देश दिए थे। जिसके चलते प्रशासन के संयुक्त अमले ने जिला मुख्यालय की मेडिकल दुकानो का निरिक्षण किया। अमले की इस कार्रवाई से जिले मे थोक में दवाईयो का भंण्डार करने वाले मेडिकल दुकानदारो मे हडकंम्प सा मच गया, वहीं नगर के कुछ मेडिकल स्टौर बंद भी दिखाई दिए। उक्त कार्रवाई के दौरान एसडीएम लक्ष्मी गामड, तहसीलदार केएल तिलवारे, सीएमएचओ डॉ. प्रकाश ढोके, पटवारी किशोर बैरागी सहित अन्य कर्मचारी मोजुद थे।

प्रशासन का अमला सबसे पहले दवाईयों के थौक विक्रैता कालका मंदिर मार्ग स्थित सुनील इंटरप्राईजेस मेडिकल स्टौर पर निरिक्षण करने पहुंचा, अमले ने दुकान पर रखी दवाईयों का निरिक्षण किया, जिसमें तीन बक्से भर के एक्सपायरी तारीख की दवाईयां मिली, उन्होने दवाईयों को जप्त कर पंचनामा बनाना गया। जिसके बाद अमला ने एमजी मार्ग स्थित सारडा मेडिकल दुकान आदि दुकानो पर दवाईयों का निरिक्षण व एक्सपायरी डेट की दवाईयां मिली तो उसे जप्त भी किया।

सुने मकान पर चोरों ने किया हाथ साफ, लगातार सुने मकानों को निशाना बना रहा है चोर गिरोह

माही की गूंज, रतलाम।

स्टेशन रोड थाना अंतर्गत एक सूने मकान का ताला चटकाकर बदमाश सोने-चांदी के जेवरात सहित अन्य सामान लेकर भाग निकले। चोरी की वारदात स्टेशन रोड थाना क्षेत्र में डीमार्ट रोड पर स्थित सम्यक गोल्ड सिटी कॉलोनी की है। सम्यक गोल्ड सिटी कॉलोनी में समीर पिता शफीक एहमद पठान का मकान है, समीर का मकान मंगलवार दोपहर को सूना था, दोपहर साढ़े 12 बजे के बाद मकान पर किसी के नहीं होने का फायदा उठाकर बदमाशों ने दिनदहाड़े मकान का ताला तोड़कर घर में घुस गए। बदमाशों ने कीमती सामान खंगालने के लिए घर का सामान अस्त-व्यस्त कर दिया और घर रखे सोने-चांदी के जेवरात और मेंहगे सामान पर हाथसाफकर भाग निकले। परिवार जब घर लौटा तो मकान का ताला टूटा पाया, बदमाश मकान से तकरीबन ढाई लाख के जेवरात चुरा ले गए है। चोरी गए जेवरातों में सोने का हार, अंगूठी, चैन सहित चांदी की पायजेब और बिछिया व अन्य सामान है। तत्काल इसकी सूचना स्टेशन रोड थाना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मुआयना किया, पुलिस ने आसपास तलाश भी की लेकिन प्रारंभिक जांच में कोई सुराग हाथ नहीं लगे है। बहरहाल, स्टेशनरोड थाना पुलिस ने फरियादी समीर पठान की रिपोर्ट पर अज्ञात के खिलाफधारा 454, 380 भादवि मे मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। रतलाम सहित आसपास के क्षेत्र से लगातार सुने मकानों को निशाना बना कर चोरी की वारदात होने के मामले सामने आ रहे है जो किसी एक ही गिरोह का कार्य हो सकता है, जो ऐसे बन्द मकानों की झड़ी रख कर उनको आसानी से निशाना बनाकर माल समेट कर रफूचक्कर हो जाते है।

शिक्षक संवर्ग का एरियर नहीं हुआ जमा

माही की गूंज, रतलाम।

विकासखंड पिपलौदा के अंतर्गत आने वाले समस्त संकुल केंद्रों पर पदस्थ शिक्षक संवर्ग के प्राथमिक एवं माध्यमिक कर्मचारियों का छठे वेतनमान की तीसरी किस्त का एरियर अभी तक जमा नहीं हुआ। शासन के आदेशानुसार शिक्षक संवर्ग के एरियर की तीसरी किस्त अगर 31 जनवरी तक जमा नहीं होती है तो संकुल प्राचार्य और विकास खंड शिक्षा अधिकारी महोदय का वेतन रोका जाना था, इसी संदर्भ में पिपलोदा विकासखंड से संबंधित समस्त संकुल पर पदस्थ शिक्षक संवर्ग के कर्मचारियों का आज दिनांक तक एरियर की तीसरी किस्त जमा नहीं होने के कारण कर्मचारियों में रोष है एवं समस्त संगठनों को धता बताते हुए विकास खंड, शिक्षा अधिकारी द्वारा करीब 15 दिनों से वास्तविक स्थिति से दूर रखा जा रहा है।

इस संदर्भ में मध्यप्रदेश शासकीय अध्यापक संगठन के संभागीय सचिव गणेश मालवीय, कार्यकारी अध्यक्ष देवेंद्र वाघेला एवं महामंत्री दिनेश गुजराती जल्द से जल्द कलेक्टर के समक्ष उक्त समस्या रखेंगे और एरियर राशि में आ रही समस्या की वास्तविक स्थिति की जांच करवाने की मांग की जाएगी।

किसानों ने की मुआवजे की मांग

माही की गूंज, रतलाम।

कुछ दिनों से शीतलहर के कारण फसलों को नुकसान हुआ है, तेज ठंड होने के कारण फसलें नष्ट हो चुकी है। अधिकारी केवल एक किसान के खेत से जांच कर सारे किसानों की फसल के साथ तुलना की करते है, यह कहां तक सही है। अगर देखा जाए तो जिम्मेदार अधिकारियों को चाहिए कि, तुरंत नुकसान की भरपाई करने के लिए कार्य करना चाहिए ताकी किसानो को नुकसानी का बीमा मिल सके। अगर बात करे जावरा विधानसभा की तो चिकलाना, भाटखेड़ा, लसूडिया नाथी ढोढर, मोयाखेड़ा, मोरिया, कलालिया सहित 25 से अधिक गांव में गत दिवस भारी शीतलहर से चना, धनिया रावा, गेहूं और कलौंजी, अलसी सहित रवि की फसलों में हुए भारी नुकसान को लेकर क्षेत्र में फसलो का निरीक्षण कर किसानो को मुआवजा दिलाए जाने हेतु अनुविभागीय अधिकारी राजस्व जावरा को ज्ञापन सौंपा।

जिला स्तरीय जनसुनवाई में 22 आवेदनों का डिप्टी कलेक्टर ने किया निराकरण

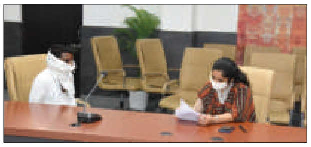

माही की गूंज, रतलाम। जनसुनवाई में ग्राम ईटावाखुर्द निवासी भुवानलाल पिता चतुर्भुज कुमावत तथा दुर्गाशंकर पिता रामचन्द्र कुमावत ने आवेदन देते हुए बताया कि, मेरे पडौसी द्वारा फर्जी दस्तावेज तैयार करवाकर शासकीय भूमि पर नवीन निर्माण किया जा रहा है जिसके कारण कृषि कार्य करने एवं फसल लाने ले-जाने में परेशानी हो रही है। डिप्टी कलेक्टर सुश्री जैन द्वारा प्रकरण सीईओ जिला पंचायत की ओर प्रेषित कर तत्काल कार्रवाई करने के लिए कहा।

नामली निवासी भंवरसिंह पिता भेरूसिंह ने आवेदन में बताया कि, 10 अक्टूबर 2016 को किसान सम्मेलन का आयोजन उज्जैन में किया गया था, उक्त सम्मेलन में प्रार्थी की 6 यात्री बसें खाचरौद तहसील से उज्जैन गई थी जिसका भुगतान 1 लाख 44 हजार रुपए प्रार्थी को प्राप्त नहीं हुआ है। प्रकरण निराकरण हेतु भेजा गया है।

पिपलौदा तहसील के ग्राम आजमपुर निवासी कमलाबाई ने आवेदन देते हुए बताया कि, ग्राम आजमपुर में प्रार्थी की कृषि भूमि है जिस पर प्रार्थी द्वारा प्याज भण्डारगृह अनुदान प्राप्ति हेतु बनाया गया है। तहसीलदार पिपलौदा को पटवारी द्वारा सही जानकारी नहीं दी गई है जबकि रोड के दोनों तरफमेरी व मेरे परिवार की जमीन है तथा भण्डारगृह भी निजी भूमि में बना हुआ है। चूंकि प्रार्थी द्वारा भण्डारगृह कर्ज लेकर बनाया गया है और प्रार्थी को भण्डारगृह की अनुदान राशि नहीं मिली तो काफी परेशानी का सामना करना पडेगा। प्रकरण तहसीलदार पिपलौदा को निराकरण हेतु भेजा गया है। ग्राम जमुनिया निवासी चरणसिंह ने आवेदन देते हुए कहा कि, प्रार्थी द्वारा गो-संवर्धन योजना अन्तर्गत डेयरी प्रकरण पास हुआ था परन्तु एक वर्श बीत जाने के बाद भी स्वीकृत राषि का भुगतान नहीं हो पाया है। प्रकरण निराकरण हेतु भेजा गया है।

आयुष मंत्री ने जिले के भीमकुंड और कुंदनपुर में आयुष वेलनेस सेंटर का किया लोकार्पण

भीमकुंड में जिला आयुष अधिकारी, सरपंच और ग्रामीणों से की बात

माही की गूंज, झाबुआ।

आत्मनिर्भर मप्र प्रोजेक्ट के तहत प्रदेश में 100 आयुष वेलनेस सेंटर का वर्चुअल लोकार्पण मप्र शासन के आयुष मंत्री रामकिशोर कांवरे ने सोमवार को किया। इसी क्रम में जिले में 2 आयुष वेलनेस सेंटर थांदला विकासखंड के ग्राम भीमकुंड तथा कुंदनपुर में हुआ। जहां शुभारंभ बाद से मरीजों को सेवाएं मिलना आरंभ हो गई है। इस अवसर पर आयुष मंत्री कांवरे ने भीमकुंड सेंटर पर जिला आयुष अधिकारी, ग्राम पंचायत सरपंच और ग्रामीणों से भी बात की।

जिला आयुष अधिकारी डॉ. मीना भायल ने बताया कि इन वेलनेस सेंटर पर आयुष चिकित्सा पद्धति से मरीजों का उपचार किया जाएगा। आत्म निर्भर मप्र प्रोजेक्ट के अंतर्गत जारी वर्ष में प्रदेश में कुल 362 सेंटर स्थापित किए जाना है। इसमें से 100 सेंटरों का लोकार्पण विभागीय मंत्री कांवरे द्वारा भोपाल से ही वर्चुअल रूप से किया गया। इस अवसर पर उनके साथ आयुष मंत्रालय के अन्य उच्च स्तरीय विभागीय अधिकारी भी उपस्थित रहे।

सुविधाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की

डॉ. भायल ने बताया कि आयुष मंत्री ने वर्चुअल लोकार्पण अवसर पर प्रदेश के 6 जिलों के हितग्राहियों से चर्चा की। उसमें से एक केंद्र जिले का आयुष औषधालय भीमकुंड (ब्लॉक थांदला) भी सम्मिलित रहा। यहां केंद्र पर उपस्थित आयुष विभाग के संभागीय अधिकारी डॉ. रमेश भायल, जिला आयुष अधिकारी डॉ. मीना भायल, ग्राम पंचायत की महिला सरपंच, अन्य जनप्रतिनिधि और ग्रामीणजनों ने आयुष मंत्री का वर्चुअल लोकार्पण देखकर और बात कर प्रसन्नता व्यक्त की। आयुष मंत्री ने इस दौरान मुख्य रूप से जिला आयुष अधिकारी, सरपंच और ग्रामीणजनों से चर्चा करते हुए केंद्र की व्यवस्थाओं और सुविधाओं के बारे में पूछा।

ग्रामीणों को स्वास्थ्य के बारे में जानकारी दी जाएगी

केंद्र का ग्राम पंचायत सरपंच से फीता काटकर लोकार्पण करवाया गया और कन्या पूजन भी की गई। इस अवसर पर आयुष औषधालय प्रभारी डॉ. प्रवेश उपाध्याय, अरविन्द डामोर सहित चिकित्सालय का स्टॉफ भी उपस्थित रहा। ग्राम भीमकुंड स्थित आयुष हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर पर चिकित्सक तथा स्टॉफद्वारा लोगों को स्वस्थ रखने के बारे में जानकारी दी जाएगी।

स्वर्णकार समाज ने हर्षोल्लास से किया पाटोत्सव का आयोजन

माही की गूंज, झाबुआ।

मेढ़ क्षत्रिय स्वर्णकार समाज द्वारा समाज के अध्यक्ष ओमप्रकाश सोनी की अध्यक्षता में नगर के राधा कृष्ण मार्ग स्थित श्री सत्यनारायण जी मंदिर में भगवान श्री का 13 वां पाटोत्सव मनाया गया। पाटोत्सव के कार्यक्रमों में सर्वप्रथम पंडित हिमांशु शुक्ला के साथ कमलेश जवड़ा द्वारा भगवान श्री का अभिषेक किया गया। कार्यक्रम में कथा के लाभार्थी मुकेश अग्रोया द्वारा भगवान श्री सत्यनारायण की आनंदमय कथा करवाई गई तथा विधि सलाहकार एडवोकेट बद्रीलाल सोनी द्वारा मंदिर पर आकर्षक ध्वजारोहण किया गया। पाटोत्सव में सभी समाजजनों के सहयोग से भगवान श्री को छप्पन भोग की प्रसादी अर्पण करने के साथ ही राहुल सत्यनारायण अग्रोया पिटोल वालों की और से महाआरती का लाभ लिया गया। सभी ने पूर्ण भक्ति भाव व हर्षोल्लास के साथ पाटोत्सव के सुंदर आयोजन का धर्म लाभ प्राप्त किया। कार्यक्रम के तहत मंदिर को विद्युत रोशनी व फूल मालाओं से सजाया गया था। वहीं मंदिर के पुजारी पंडित प्रदीप भट्ट द्वारा भगवान श्री सत्यनारायण जी का मनमोहक श्रृंगार भी किया गया।

न्यूज ब्रीफ

स्टूडेंट पुलिस कैडेट में छात्राओ ने थाने का किया दौरा

माही की गूंज, बडवानी। स्टूडेंट पुलिस कैडेट योजना, पुलिस मित्र योजना के तहत शासकीय माध्यमिक विद्यालय क्रमांक 1 एवं क्रमांक 2 की छात्राओं के द्वारा थाना विजिट किया गया, विजिट के दौरान छात्राओ को टीआई राजेश यादव के द्वारा थाने की संपूर्ण कार्यप्रणाली से अवगत करा कर उन्हें बताया गया कि, किस प्रकार से एफआईआर दर्ज होती है, पुलिस किस प्रकार उनका अनुसंधान कर आरोपी को गिरफ्तार करती है एवं साथ ही उनको यातायात के नियमों के संबंध में भी संपूर्ण जानकारी दी गई।

कथा में राम जन्म उत्सव धूमधाम से मनाया

जब-जब धर्म की हानी होती है तब ईश्वर अवतार लेकर अधर्म का नाश करते है - श्री शर्मा

माही की गूंज, मेघनगर।

नगर की हृदय स्थली दशहरा मैदान पर चतुर्थ दिवस साई मित्र मंडल एवं संस्कार भारती मित्र मंडल के तत्वाधान में राम जन्म उत्सव बड़े उत्साह एवं धूमधाम से आयोजित किया गया। राम कथा के चौथे दिन यजमान पलक दर्पण पंचाल द्वारा राम दरबार की विधिवत पूजा अर्चना की गई। रामकथा को आगे बढ़ाते हुए आचार्य पंडित नरेश शर्मा द्वारा राम अवतार का प्रयोजन के बारे में विस्तृत से बताया गया, जब-जब भी धर्म की हानि होती है, तब ईश्वर को अवतार लेकर अधर्म का नाश और धर्म की ध्वजा पूरे विश्व में कायम करते हैं। आचार्य शर्मा ने बताया कि, राजा दशरथ को जो श्राप मिला था वह वरदान में बदल गया, भक्त राज्य श्रवण कुमार द्वारा माता-पिता की भक्ति के चलते अपने प्राण गवाना पड़े, श्रवण कुमार के माता-पिता ने निःसंतान राजा दशरथ को श्राप दिया की पुत्र वियोग में हम अपने प्राण छोड़ रहे हैं वैसे ही राजा दशरथ आप भी पुत्र वियोग में अपने प्राण छोड़ेंगे, पश्चात राजा दशरथ के यहां भगवान राम ने पुत्र रूप में जन्म लिया। राम जन्म के अवसर पर आज महिलाओ ने बड़े उत्साह से फूलों की वर्षा करते हुए राम लल्ला का अभिनंदन किया। कथा के चतुर्थ दिवस गोविंद पंचाल एवं परिवार द्वारा रामलला का नखरा लिया गया। कथा में विशेष रूप पूर्व कलेक्टर श्रीमती डामोर, भाजपा महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष एवं शौर्य भारती संस्था की संस्थापक आरती भानपुरिया ने कथा श्रवण का लाभ लिया, पंडाल को संबोधित करते हुए श्रीमती डामोर ने साईं मंदिर महिला मंडल का आभार व्यक्त किया जिन्होंने हमें कथा में बुलाया। साईं मंदिर महिला मंडल द्वारा यह पांचवा धार्मिक आयोजन जानकर उन्होंने सभी महिलाओं व समाज सेविका श्रीमती बबली शर्मा को साधुवाद दिया तथा आचार्य पंडित नरेश शर्मा का अभिवादन किया और कहा पूरा देश राम मय हो रहा है। श्रीमती आरती भानपुरिया द्वारा पंडाल को संबोधित करते हुए कहा कि, मुझे बहुत खुशी हो रही है कि यह रामकथा का आयोजन महिलाओं द्वारा हो रहा है, प्रेमलता भट्ट द्वारा अतिथियों का सम्मान किया गया। राम कथा के पांचवे दिन राम विवाह होगा एवं राम और सीता का चरित्र का वर्णन किया जाएगा। राम कथा में मदरानी, काकनवानी, रंभापुर, अगराल, भगोर, थांदला आदि आसपास के गांव से कथा श्रवण के लिए श्रद्धालु पहुच रहे हैं।

निकाय चुनाव को लेकर प्रभारी वर्मा ने ली भाजपा कार्यालय पर बैठक

माही की गूंज, अलीराजपुर। स्थानिय निकाय चुनाव आगामी दिनों में होने वाले है, आलीराजपुर जिले में दो नगर पंचायत एवं एक नगर पालिका का चुनाव तीसरे चरण में संभावित है, लेकिन वर्तमान में आलीराजपुर नगर पालिका अध्यक्ष को शासन द्वारा बेदखल कर दिया गया है, जिसके चलते इस बात की संभावना बन गई है कि, शीघ्र ही वर्तमान में जिन स्थानों पर स्थानिय निकाय चुनाव होना है उसके साथ ही आलीराजपुर नगर पालिका अध्यक्ष का चुनाव भी हो जाए। इसकी तैयारी पार्टी संगठन द्वारा करने के निर्देश दिए गए है, जिसके तहत बैठक लेकर भाजपा कार्यकर्ताओ में जोश भरा जा रहा है। भाजपा जिला कार्यालय पर खंडवा विधायक एवं निकाय चुनाव घोषणा-पत्र प्रभारी देवेन्द्र वर्मा ने बैठक ली बैठक में संगठन की चुनावी योजनाओ को बताया, उक्त बैठक में भाजपा जिलाध्यक्ष वकीलसिंह ठकराला, पूर्व विधायक माधोसिंह डावर, पूर्व जिलाध्यक्ष किशोर शाह, राकेश अग्रवाल, नपा अध्यक्ष रितेश डावर, कटठीवाड़ा के पूर्व जनपद अध्यक्ष भदू पचाया, जोबट के पूर्व नगर परिषद के अध्यक्ष दीपक चौहान उपस्थित थे।

हरिद्वार कुंभ मेले के लिए जारी हुई आवश्यक हिदायते

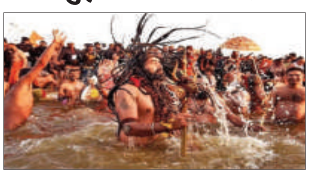

माही की गूंज, खरगोन।

14 जनवरी से हरिद्वार में कुंभ मेला प्रारंभ हो गया है, कुंभ मेले में शामिल होने को लेकर उत्तराखंड राज्य सरकार द्वारा सभी प्रदेशों को आवश्यक हिदायतें जारी करने के लिए पत्र लिखा है। पत्र में बताया गया कि, भारत सरकार के गृह मंत्रालय द्वारा जारी निर्देशानुसार 65 वर्ष से अधिक एवं अन्य शारीरिक व्याधि से ग्रसित गर्भवती महिलाएं तथा 10 वर्ष से कम अति संवेदनशील और अति दुर्बल व्यक्ति वर्ग को घर पर ही रहने की सलाह दी गई है। कुंभ मेले में आयोजित होने वाले श्रृद्धालुओं व यात्रियों की बस व रेल्वे स्टेशनों पर थर्मल स्केनिंग आवश्यक रूप से जांच सुनिश्चित की जाएगी। राज्यों से आने वाले श्रृद्धालुओं को कोविड-19 व्यवहार का अनुपालन करने तथा उचित माध्यमों के द्वारा पर्याप्त रूप से संवेदित करने के लिए आग्रह किया गया है।

वृद्धा आश्रम में आशा के अनुरूप सानिध्य पाकर महक उठी वृद्धा की जिंदगी

माही की गूंज, बड़वानी।

इंसान अपनों से तिरस्कृत होकर जब घर से बेघर हो जाता है तो उसे सूरत और सीरत दोनों का भान नहीं होता और यही व्यवस्था धीरे-धीरे उसके आचरण में समाहित हो कर उसकी जीवन शैली का हिस्सा बन जाती है, फिर भला क्या नहाना और क्या खाना, मिले तो ठीक ना मिले तो भी ठीक। कुछ ऐसा ही जीवन ग्राम जुलवानिया मे कई वर्षों से फुटपाथ पर जीवन जीने वाली हसीना पति सीताराम सड़क किनारे गुजार रही थी।

जब उक्त वृद्ध भिक्षुक महिला की जानकारी कलेक्टर शिवराज सिंह वर्मा को सोशल मीडिया के माध्यम से मिली तो उन्होंने तत्काल राजपुर एसडीएम को उक्त महिला के पुनर्वास के लिए कारवाई करने के निर्देश दिए थे। जिस पर से उक्त महिला को कल मंगलवार की शाम को अपना घर वृद्ध आश्रम आशा ग्राम बड़वानी में लाया गया था। जहां उसका प्रारंभिक स्वास्थ्य परीक्षण करने के उपरांत बुधवार प्रातः हेयर कटिंग, स्नान इत्यादि के साथ स्वच्छ वस्त्र पहनाकर जिला चिकित्सालय में वृद्ध आश्रम की टीम द्वारा वृद्धा को उपचार के लिए ले जाया गया। जहां हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉक्टर चंद्रशेखर पाल ने वृद्धा का एक्स-रे करवाकर आवश्यक उपचार किया गया। वृद्धा को जैसे ही अपना घर वासियों का सानिध्य प्राप्त हुआ वह प्रसन्न भाव से बोली अब मेरे जीवन में कुछ सुकून के क्षण आए है।

पुलिस चौकी पर विकास कार्यों का हुआ भूमि पूजन

माही की गूंज , सारंगी। ग्राम पंचायत सारंगी द्वारा पुलिस चौकी सारंगी पर खेल मैदान और गाडोलिया फलिए से मुक्तिधाम तक के सुदूर सड़क निर्माण का भूमि पूजन किया गया जिसमें भाजपा के सारंगी मंडल अध्यक्ष सुखराम मोरी और सारंगी सरपंच फुंदिबाई मैडा, उप सरपंच परमांनद पाटीदार ने भूमि पुजन किया। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष सुखराम मोरी, सरपंच फुंदि बाई मैडा, उप सरपंच परमानंद पाटीदार, युवा मोर्चा महामंत्री जितेंद्र गेहलोत, मंडल महामंत्री रामचंद्र भुरिया, उपाध्यक्ष अनिल बंबोरी, मंत्री रजनीश पाटीदार, मीडिया प्रभारी सुरेश परिहार, कार्यालय मंत्री बाबूलाल पाटीदार, सचिव राजेंद्र पाटीदार, रोजगार सहायक रवि सोलंकी, पंचायत कर्मी राकेश एवं मंडल के कार्यकर्ता एवं नागरिकगण उपस्थित रहे।

7 फरवरी कों श्याम भक्तों का होगा जमावड़ा

माही की गूंज, बनी (पेटलावद)। ग्राम बनी में 7 फरवरी रविवार को खाटू श्याम की भजन संध्या का आयोजन किया जा रहा है, जिसमे ग्राम बनी सहित दूर दराज से बड़ी सख्या में श्याम भक्तों का जमावड़ा लगेगा। ग्राम में पहली बार बाबा की भजन संध्या का आयोजन हो रहा है जिसको लेकर श्याम भक्तों में काफी उत्साह है। भजन संध्या में गायक लाला मस्ताना (राजस्थान), कृपा पटेल मध्यप्रदेश, हितेश सुधाकर, रिंगनोद मध्यप्रदेश विशेष रूप से अपनी प्रस्तुती देगे और छप्पन भोग, इत्र वर्षा ओर बाबा का भव्य दरबार भी सजाया जाएगा।

अब 8 मार्च और 5 जून को भी होंगी ग्राम सभाओं की बैठकें

माही की गूंज, खरगोन।

राज्य शासन द्वारा निर्णय लिया गया है कि, वर्ष में पूर्व से निर्धारित चार ग्राम सभाओं के अलावा प्रत्येक वर्ष अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 8 मार्च एवं विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून को भी ग्राम सभा की विशेष बैठक आयोजित की जाएगी। पंचायत राज संचालनालय ने इस संबंध में निर्देश जारी किए है कि, ग्राम सभाएं रोटेशन में ग्राम पंचायत के सभी ग्रामों में पृथक-पृथक आयोजित की जाएं। जब ग्राम पंचायत के मुख्यालय के गांव में ग्राम सभा का आयोजन हो तो सभी ग्रामों के लोग उपस्थित रहें। वर्तमान में प्रत्येक ग्राम सभा के लिए नियुक्त नोड़ल अधिकारी सामान्यतः क्लस्टर/सेक्टर लेवल के होते हैं। कुछ चयनित ग्राम सभाओं में जिला या विकासखंड स्तरीय अधिकारियों को नोडल अधिकारी नियुक्त करने के लिए कहा गया है। कोरम की पूर्ति एक औपचारिकता का विषय नहीं। ग्राम सभा आयोजन का प्रचार-प्रसार किया जाए, जिससे कोरम की पूर्ति हो सके। ग्राम सभा की वीडियोग्राफी अनिवार्य रूप से कराने के निर्देश भी दिए है।

भारत सरकार ने स्ट्राईव योजना में प्रदेश के 20 शासकीय आईटीआई का किया चयन

माही की गूंज, खरगोन।

विश्व बैंक द्वारा सहायता प्रदत्त भारत सरकार की स्किल स्ट्रेंथिनिंग फॉर इंडिस्ट्रियल वेल्यू एन्हेंसमेंट (स्ट्राईव) योजना के तहत प्रदेश के 20 शासकीय आईटीआई का चयन किया गया है। प्रथम चरण में 8 शासकीय आईटीआई मंडीदीप, खरगोन, उमरिया, रतलाम, बालाघाट, सिंगरौली, छिंदवाडा और एकलव्य महिला आईटीआई बैतूल शामिल हैं। स्ट्राईव योजना के दूसरे चरण में 12 शासकीय आईटीआई शिवपुरी, देवास, शाजापुर, सिवनी, कटनी, टीकमगढ़, छपारा (सिवनी जिला), हरदा, छतरपुर, अनूपपुर, झाबुआ और आईटीआई खंडवा का चयन हुआ है। उल्लेखनीय है कि, स्किल स्ट्रेंथिनिंग फॉर इंडिस्ट्रियल वेल्यू एन्हेंसमेंट का उददेश्य आईटीआई और अप्रेंटिसशिप के माध्यम से प्रदान किए जाने वाले कौशल प्रशिक्षण की प्रासंगिकता और दक्षता में सुधार करना है। स्ट्राईव के अंतर्गत प्रदेश के 20 शासकीय आईटीआई को प्रशिक्षण गुणवत्ता तथा इंडस्ट्री लिंकेज बढ़ाने के लिए 150-250 लाख रूपए का अनुदान प्रति आईटीआई प्राप्त होगा। इस राशि से चयनित शासकीय आईटीआई द्वारा स्नातकों की संख्या में 20 प्रतिशत की वृद्धि, संचालित ट्रेडों में महिला नामांकन/प्रवेश में 16 प्रतिशत की वृद्धि, कुल नामाकंन/प्रवेश में 25 प्रतिशत की वृद्धि और निर्धारित पाठ्यक्रम के अनुसार कुल प्रशिक्षणार्थियों के ऑन जॉब ट्रेनिंग में 15 प्रतिशत की वृद्धि करने जैसे चार प्रमुख उद्देश्यों की पूर्ति की जाएगी।

पुलिस वालों के साथ मारपीट करने वाले आरोपियों को हुई सजा

माही की गूंज, झाबुआ।

न्यायालय राजेश कुमार गुप्ता जिला तथा सत्र न्यायाधीश द्वारा आरोपी वागजी पिता मानसिंह, राजमल पिता बाबू, दुला पिता अमरा, धनसिंह पिता वागजी, दुबलिया पिता जलिया, आरिफ उर्फ अखिलेश पिता बाबू, करण पिता नाथू, गुड्डु उर्फ केकड़िया पिता नाना, गुड्डु पिता तोलिया निवासीगण ग्राम बोचका थाना कालीदेवी को 3-3 वर्ष का सश्रम कारावास तथा 500-500 रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई। शासन की ओर से प्रकरण में संपूर्ण संचालन केएस मुवेल उपसंचालक द्वारा किया गया।

जिला मीडिया प्रभारी सूरज वैरागी ने बताया कि 10 मार्च 2016 को दिन के 12.30 बजे लगभग थाना कालीदेवी के अपराध की विवेचना हेतु सउनि सीके मंसूरी, अजीत शेख, आर. गुलाबसिंह, जामसिंह, राजेश, महिला आर. रेखा मय शासकीय वाहन ग्राम साड पहुंचे। जहां पूर्व ड्यूटी पर तैनात प्रआर मनोज जोशी, रूपसिंह, आर. मनोहरसिंह सैनिक अर्जुन मिले। उसी समय सूचना मिली कि घायल मोहन की जिला चिकित्सालय झाबुआ में मृत्यु हो गई है। जिसका शव पीएम के बाद उसके वारिसान लेकर आ रहे हैं। कुछ समय बाद लाश को लेकर वारिसान आए व लाश को गुड्डु पिता तोलिया, टेटिया पिता तोलिया, राजमल पिता बाबू, गुड्डु पिता नाना, दुबलिया पिता जलिया, काला पिता बसु, करण पिता नाथु, आरिफपिता बाबु मेड़ा, दुला पिता उमरा मेड़ा, धनसिंह पिता वागजी मेड़ा, वागजी पिता मानसिंह मेड़ा व इनके कुछ साथी शव वाहन से लाश लेकर आरोपी रमाबाई पति मांगु के मकान पर दौड़ते हुए लेकर गए व टापरे पर लाश रखकर आग लगाने लगे। जिनको उपरोक्त बल ने काफी मेहनत से समझाया व भगाया। मगर उक्त सभी आरोपीगण एक मत होकर शासकीय कार्य में बाधा डालने लगे व एकदम आरोपी गुड्डु, टेटिया, गुड्डु पिता नाना ने अपने गोफन से पत्थर मारना पुलिस बल पर तथा शेष लोगों ने हाथों से पत्थर मारना शुरू कर दिया। इतने में साक्षी कान्जी पिता मड़िया डामोर तथा सोमजी पिता वागजी मेड़ा दौड़कर आए व आरोपीगण को काफी समझाया, मगर आरोपीगण नहीं मानें। जिससे पत्थर की चोट सउनि मन्सूरी के बाएं हाथ, प्रआर मनोज जोशी को दोनों घुटने पर, आर. गुलाबसिंह को दाहिने पैर के पंजे के अगुंठे के पास की एक अंगुली छोड़कर दो अंगुलियों में तथा सैनिक अर्जुन को दाहिने पैर में घुटने पर चोट लगी। आरोपियों तथा इनके अन्य आरोपीगण व साथीगण कुराट्टियों करते गोफन के पत्थर मारते गए। पुलिस बल ने जैसे-तैसे इनके पत्थर से बचाव किया। फिर आरोपीगण लाश पटककर भाग गए। घटना के संबंध में थाना कालीदेवी पर आरोपीगण के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज की गई। अपराध गंभीर श्रेणी का होने से उक्त अपराध को जघन्य तथा सनसनीखेज घोषित किया जाकर अनुसंधान पूर्ण कर अभियोग पत्र न्?यायालय में पेश किया गया। विचारण के दौरान न्यायालय राजेश कुमार गुप्ता जिला तथा सत्र न्यायाधीश द्वारा आरोपी वागजी, राजमल, दुला, धनसिंह, दुबलिया, आरिफ उर्फ अकलेश, करण, गुड्डु, गुड्डु पुत्र तोलिया को दोषी मानते हुए धारा 325-149 में 3-3 वर्ष का सश्रम कारावास और धारा 323-149 में 1-1 वर्ष का सश्रम कारावास की सजा सुनाई गई।

केवल 90 हजार रुपए की लागत में बना है कॉलेज का मुख्य भवन

माही की गूंज, बड़वानी।

एसबीएन पीजी कॉलेज के प्राचार्य डॉ. एनएल गुप्ता के मार्गदर्शन में स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ द्वारा नवप्रवेशित विद्यार्थियों को कॉलेज के इतिहास की जानकारी दी जा रही है। इसी के अंतर्गत डॉ. मधुसूदन चैबे ने विद्यार्थियों को बताया कि, कॉलेज का मुख्य भवन मात्र 90 हजार रुपए की लागत में बना था, इससे संबंधित साक्ष्य लोअर हॉल के बाहर लगा अभिलेख है। इस अभिलेख पर इस भवन के निर्माण से संबंधित तथ्य अंकित हैं, जिन्हें पढ़कर ज्ञात होता है कि, 1933 से 1935 के दौरान देवीसिंह राणा के काल में बना यह भवन मूलतः विक्टोरिया हाई स्कूल था, जो 1956-57 में कॉलेज में बदल गया। इसके निर्माण में तत्कालीन दीवान बहादुर एच एन गोसालिया का योगदान रहा। विद्यार्थियों को अभिलेख से रूबरू करवाया गया। सहयोग प्रीति गुलवानिया, किरण वर्मा, जितेंद्र चैहान ने किया।

एक दिन के न्यायालय में हुआ कई शिकायतों का निराकरण

मही की गूंज, खरगोन।

कसरावद तहसील के ग्राम बलकवाड़ा व मुलठान में न्यायालयीन कार्य के लिए पूर्व में ही एक-एक दिन निर्धारित कर लिया गया है। इस एक दिन में राजस्व से संबंधित मामलों का निराकरण किया जाएगा। इसी के अंतर्गत बुधवार को बलकवाड़ा में न्यायालयीन कार्य प्रारंभ किया गया। नायब तहसीलदार राहुल सोलंकी ने बताया कि न्यायालय में पहला कार्य ग्राम सिनगुन से आए शिकायतकर्ता राधेश्याम की समस्या को सुन तत्काल सिनगुन पटवारी को निर्देशित कर समस्या का निराकरण कराया। आवेदनकर्ता ने शिकायत की थी कि उसके खेत में जाने वाले रास्ते पर कुछ लोगों द्वारा मकान निर्माण किया जा रहा है, जिससे खेत में जाने पर समस्या हो रही है। वहीं सिनगुन के ही निवासी राधेश्याम पिता लक्ष्मण ने भी अपनी शिकायत में बताया कि उनकी भूमि क़ातरिया में है, जिसका कुछ व्यक्तियों द्वारा खेत मे जाने का रास्ता रोक दिया है तथा मकान का कार्य कर रास्ता अवरुद्ध कर रहा है। इस पर संज्ञान लेते हुए तत्काल पटवारी के द्वारा मकान का कार्य रुकवा दिया है। इसके अलावा कुछ किसानों द्वारा गेहूं की फसल में किसी किट का प्रकोप को लेकर गेहूं की कुछ बालियां लेकर आये थे, जिसकी सूचना तत्काल एसएडीओ श्री सेंगर को दी गई। श्री सेंगर ने बताया कि उनकी टीम गुरूवार को जांच करने बलकवाड़ा जाएगी।

मधुमक्खी पालन से किसानों को होगा लाभ, इससे उत्पादन में होगी बढ़ोत्री- कलेक्टर वर्मा

माही की गूंज, बड़वानी।

मधुमक्खी पालन आज की महत्ती आवश्यकता है। इससे जहॉ खेतो में लगी फसलों का उत्पादन, बेहतर परागण होने से जहॉ बढ़ जाता है, वहीं निकलने वाले शहद से किसानों को अतिरिक्त आमदनी भी मिलती है। अतः समस्त किसान बन्धु आज की कार्यशाला में पूरी सजगता से भाग ले और अपने मनों में उठने वाले विचार, जिज्ञासाओं का समाधान करवाए। जिससे वे इस विधि को अपनाकर अपनी आर्थिक गतिविधि का और विस्तार कर सके।

कलेक्टर शिवराजसिंह वर्मा ने बुधवार को कृषि विज्ञान केन्द्र बड़वानी में उद्यानिकी विभाग के तत्वाधान में आयोजित मधुमक्खी पालन की कार्यषाला का शुभारंभ करते हुए कही।

कार्यशाला के दौरान ग्राम हटा जिला दमोह से आए मधुमक्खी पालन विषेशज्ञ हरिशंकर विश्वकर्मा ने बड़वानी के किसानों को मधुमक्खी पालन पर विस्तृत डेमोस्ट्रेशन सहित प्रशिक्षण दिया। इस दौरान उन्होने मधुमक्खी पालन के लिए जगह का चुनाव, मधुमक्खी खरीदने में रखी जाने वाली सावधानी, मधुमक्खी के जीवन चक्र, शहद निकालने के तरीके, शहद निकालने में उपयोग होने वाले यंत्र आदि के बारे में विस्तार से बताया।

कार्यशाला के दौरान कलेक्टर शिवराज सिंह वर्मा, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत ऋतुराज सिंह, जिला पंचायत सदस्य बलवंतसिंह पटेल, सांसद प्रतिनिधि श्रीराम यादव, उप संचालक उद्यान विजय सिंह एवं वरिष्ठ उद्यान विकास अधिकारी विकास खण्ड पाटी एसके श्रीवास्तव, तकनीकी सहायक एमएस चौहान सहित विकास खण्ड पाटी, राजपुर एवं सेंधवा के विभिन्न ग्रामो से आये 85 कृषकों ने भाग लिया।

सेंधवा में न्यायालय परिसर में हुआ अभिभाषक चेम्बर का लोकापर्ण

माही की गूंज, बड़वानी।

सेंधवा न्यायालय परिसर में निर्मित अभिभाषक चेम्बर का लोकापर्ण बुधवार को जिला सत्र न्यायाधीश राजेश गुप्ता, कलेक्टर शिवराजसिंह वर्मा के द्वारा किया गया। इस अवसर पर अतिरिक्त महाधिवक्ता इन्दौर श्री पुष्पमित्र भार्गव, मध्यप्रदेश राज्य अधिवक्ता परिषद के सदस्य विवेक सिंह, सेंधवा अभिभाषक संघ के अध्यक्ष श्याम एकड़ी, उपाध्यक्ष अजितसिंह खजूना, सचिव शैलेन्द्र जोशी, न्यायाधीश मरावी, जफर खान सहित बड़ी संख्या में अभिभाषक उपस्थित थे।

लोकापर्ण के अवसर पर उपस्थित अतिथियों को सम्बोधित करते हुए जिला सत्र न्यायाधीश राजेश गुप्ता ने बताया कि, विभिन्न प्रक्रियाओं को गुजरते हुए अभिभाषक चेम्बर का लोकापर्ण हो रहा है। जिससे बार एसोसियेशन की वर्षो पुरानी मांग पूरी हो रही है। उन्होने बताया कि शीघ्र ही न्यायालय परिसर में कामन खेल परिसर निर्माण का भी प्रस्ताव भी उच्च स्तर पर भेजा जाएगा। जिससे अभिभाषक एवं न्यायाधीशो को मनोरंजक एवं खेलकूद की गतिविधियॉ करने का अवसर मिल सके।

इस दौरान कलेक्टर शिवराजसिंह वर्मा ने कहा कि, न्याय दिलवाने में अभिभाषक भी महत्वपूर्ण कढ़ी होते है, इसलिये उन्हें चेम्बर मिल जाने से अपने कार्य को करने में और सरलता मिलेगी, इससे पक्षकारों को भी लाभ होगा।

विधायक मैड़ा के नेतृत्व में निकाली गई बैलगाड़ी व साईकिल यात्रा

बढ़ती महंगाई के विरोध में कांग्रेस का जंगी प्रदर्शन, विधायक भूरिया के बिगड़े बोल

पूर्व मंत्री व विधायक भूरिया के बयान से गरमाई राजनीति, बैकफुट पर आई कांग्रेस

माही की गूंज, पेटलावद।

सोमवार को लंबे समय के बाद कांग्रेस एकजुट होकर भाजपा सरकार और बढ़ती महंगाई के विरोध में जबरदस्त प्रर्दशन किया, लेकिन पूरे प्रदशन पर पूर्व केंद्रीय मन्त्री और झाबुआ विधायक कांतिलाल भूरिया के बयान ने मिट्टी डालकर भाजपा को बैठे बिठाए कांग्रेस के विरोध का मुद्दा दे दिया। देश में बढ़ती महंगाई एवं किसान विरोधी बिल के विरोध में सोमवार को कांग्रेस विधायक वालसिंग मैड़ा के नेतृत्व में धरना प्रदर्शन किया गया, साथ ही बैलगाड़ी एवं साईकिल यात्रा भी निकाली गई।

कांग्रेस विधायक वालसिंग मेड़ा द्वारा पेटलावद में उनके निवास स्थल से सुंदर गार्डन तक साईकिल यात्रा निकाली गई। जिसमें वह खुद साइकिल लेकर महंगाई के विरोध में नारे लगाते पूरे नगर से होते हुए अपने कार्यकर्ताओं के साथ सुंदर गार्डन पहुंचे, जहां उन्होंने धरना देकर पुनः बैलगाड़ी की यात्रा निकाली, जिसमें कांग्रेस के पूर्व कैबिनेट मंत्री व झाबुआ विधायक कांतिलाल भूरिया विशेष रूप से उपस्थित हुए और कांग्रेस के पड़ोसी विधायक भी धरने में शामिल हुए, बेलगाड़ी यात्रा सुंदर गार्डन से शुरू होकर नगर के प्रमुख मार्गो से होती हुई तहसील प्रांगण में पहुंची जहां सभी पदाधिकारियों ने एसडीएम को राज्यपाल के नाम ज्ञापन दिया। ज्ञापन में कहा गया कि, यदि जल्द ही महंगाई पर रोक नहीं लगाई और किसान विरोधी बिल वापस नहीं लिए गए तो हम बड़े स्तर पर धरना प्रदर्शन करेंगे एवं चक्का जाम जैसी स्थिति बनी तो वह भी करेंगे।

बैलगाड़ी यात्रा में कांग्रेस कार्यकर्ता ने देश में बढ़ती महंगाई के विरोध में नारे लगाए, वहीं कांतिलाल भूरिया ने प्रेस वार्ता करते हुए कहा कि, भाजपा सरकार गरीबों की विरोधी है, दिन प्रतिदिन महंगाई बढ़ती जा रही है, लेकिन बड़े-बड़े नेता बोलने के लिए तैयार नहीं है। वहीं विधायक वालसिंह मैड़ा ने कहा कि, देश में गैस टंकी के भाव, सोयाबीन तेल के भाव आसमान छु रहे है साभ ही पेट्रोल के भाव 100 रूपए के पार हो चुके हैं, फिर भी केंद्र सरकार कोई कदम नहीं उठा रही है, यदि इसी तरह महंगाई बढ़ती गई तो हम जल्द ही बड़े स्तर पर धरना प्रदर्शन करेंगे।

राम मंदिर के चंदे से शराब पी रहे भाजपाई- भूरिया

अच्छे भले प्रदर्शन पर पूर्व केबिनेट मंत्री व झाबुआ विधायक कांतिलाल भूरिया के एक बयान ने भाजपा को कांग्रेस को घेरने का बड़ा मौका दे दिया, अब कांग्रेस बैकफुट पर आ गई है और कोई भी कांतिलाल के बयान के सर्मथन में उतरकर उनका बचाव करने को तैयार नही है। भूरीया अपनी विवादित भाषा के लिए जाने जाते है एक फिर सोमवार को पेटलावद में भूरिया कांग्रेस कार्यकर्ताओं की भीड़ में अपना आपा खो बैठे, महंगाई और किसानों के नाम पर भाजापा को घेरते-घेरते राम मंदिर तक पहुँच गए।

भूरिया ने कहा कि, राम मंदिर के नाम पर चंदा वसूली करने वाले भाजपाई चंदे के पैसो से शराब पीते है। बस बयान के वाइरल होने की देर थी, सोशल मीडिया पर कांग्रेस के बड़े नेता कांतिलाल भूरिया और कांग्रेस को भाजपाईयो ने घेरना शुरू कर दिया, भाजपा ने भूरिया के बयान को हाथों-हाथ लिया और कांग्रेस और भूरिया को राम और राम मंदिर विरोधी बताकर पोस्ट और कमेंट शुरू कर दिए, कई नेताओं ने वीडियो वायरल कर भूरिया के बयान पर विरोध दर्ज करवाया। आने वाले दिनों मे भूरिया का ये बयान उनके खुद के लिए और कांग्रेस के परेशानी का सबब बनेगा ये तय है साथ ही उक्त बयान को लेकर प्रदेश की राजनीति भी गरमाना तय है।

भूरिया के बयान के बाद घिरी कांग्रेस की और से भूरिया के बचाव में कोई नेता सामने नही आया। भाजपा के वरिष्ठ नेता अजय जैन ने भूरिया के बयान को मानसिक विकृति के साथ जोड़ते हुए बताया कि, कांग्रेस के लोग राम मंदिर के लिए निकलने वाली यात्रा पर फूल बरसा कर और राम मंदिर के लिए चंदा देकर अपने आपको राम मंदिर के समर्थन में होना बता रहे है, जबकि कांग्रेस के बड़े नेता पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह और पूर्व केंद्रीय मंत्री कांतिलाल भूरिया के बयानों से सपष्ट है कि, कांग्रेस कभी भी राम मंदिर के पक्ष में नही रही है, बयान को लेकर भूरिया का विरोध किया जाएगा।

पेट्रोल, डीजल की बेतहाशा वृद्धि को लेकर युवक कांग्रेस का प्रर्दशन

माही की गूंज, थांदला।

पेट्रोल डीजल की बेतहाशा वृद्धि के विरोध में युवक कांग्रेस के नेतृत्व में थांदला विधानसभा युवक कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा गांधीगिरी तरीके से केन्द्र एवं राज्य सरकार के विरोध में प्रदर्शन किया गया। स्थानीय पेट्रोल पंप पर गुलाब का फूल देकर गांधीगिरी तरीके से विरोध किया गया।

इस अवसर पर विधानसभा युकां अध्यक्ष राजेश डामोर ने कहा कि, केन्द्र सरकार की ग़लत एवं जनविरोधी नीतियों के कारण पेट्रोल, डीजल, गैस के दामों में भारी वृद्धि होने के कारण आमजन का जीवन-यापन मुश्किल हो गया है, रोजमर्रा की बढ़ती कीमतों के कारण घर चलाना मुश्किल हो गया है। आज आम आदमी केन्द्र व राज्य सरकार की ग़लत नीतियों के कारण अपने आप को ठगा सा महसूस कर रहा है। मंहगाई पर मामूली वृद्धि होने के कारण कांग्रेस को हमेशा कोसने वाले आज सत्ता के नशे में खामोश बैठे हैं, उनकी जुबान पर ताला लग गया है। कार्यक्रम को विधायक वीरसिंह भूरिया, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष गेंदाल डामोर, कांग्रेस प्रवक्ता विकास रावत, पार्षद आनंद चौहान, कमालुद्दीन शेख, सुधीर भाबोर, मोईनुद्दीन खान, हरिश पंचाल, सरपंच दीपक बिलवाल, चतरू खोखर, शंकर डामोर, जयसिंह वसुनिया, मसूल भूरिया, रूसमाल मैंड़ा, कमलेश सोनी, चैनसिंह मुणिया, जितेंद्र सोनार्थी आदि कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित थे।

प्रशासन की उदासीनता के चलते गड्ढों युक्त सड़कों से राहगीर परेशान

माही की गूंज, सारंगपुर (राजगढ़/ब्यावरा)।

राजगढ़ जिले की सारंगपुर विधानसभा की बात करे तो यहां की आधी आबादी को पिछले कई वर्षो से गड्ढो वाली सड़क पर चल सवारी करना पड़ रही है। सारंगपुर नेशनल हाइवे मऊ से लेकर खुजनेर तक लगभग 25 किलोमीटर की सड़क पिछले दस वर्षों से अपने पुनः उद्धार का सपना संजोए बैठी है, सड़क का हाल यह कि इस सड़क से अपने कार्यो के लिए करीब बीस गांवो के निवासियों को इस गड्ढो युक्त सड़क से सफर करना पड़ता है इस सड़क पर आने वाले ग्राम गुलावता, धामन्दा, अमलरोड व चिडलावनिया जिनकी आबादी करीब दस हजार है उनके साथ कई और गांव के लोग भी इस सड़क से परेशान है।

दूसरी बड़ी सड़क ब्यावरा-मांडू से कडलावद तक की है इस सड़क के भी उक्त सड़क जैसे ही हाल है, यहां गड्ढे तो है लेकिन सड़क गायब है, इस सड़क की लंबाई भी 20 किलोमीटर है इस पर बड़े-बड़े गांव है इन गांवों में स्वास्थ सुविधा भी नगण्य है, हाल यह कि, अब गांवो में 108 एम्बुलेंस, जननी वाहन, इमरजेंसी वहान फायर ब्रिगेड आदि कडलावद, कूपा, दुग्या, ब्यावरा व मांडू में आने से कतराते है जिसके कारण सरकार की सुविधाओं से लोग वंचित है। वही प्रसिद्ध धार्मिक स्थान खांकरा महाराज जहां पर जहरीले जानवरो के काटने पर लोगो का इलाज होता है यहां सोमवार व गुरुवार को हजारो यात्री आते है जिनके वाहन गड्ढो युक्त सड़क पर चलने के कारण वाहनों में टुट-फुट होने पर वह भी सिस्टम को दोष देते नजर आते है।

तीसरी सड़क जो राजगढ़ जिले को इंदौर, शाजापुर, सारंगपुर से सीधा जोड़ती है यह सड़क प्रशसनिक उदासीनता के चलते खुजनेर से भैंसवा माताजी करीब 13 किलोमीटर की सड़क इतनी खराब है कि, यहां से गुजरने वालो को वाहन के वाहन चालको को दिन में तारे दिखने लगते है, जबकि सारंगपुर से बड़े प्रशासनिक अधिकारी भी राजगढ़ जिला मुख्यालय तक जाने में इसी मार्ग का उपयोग करते है। लापरवाही की हद यह कि, मालवा का प्रसिद्ध दैवीय शक्ति पीठ बिजासन माता के दर्शन को आने वाले यात्रीयो को भी कई बार इस गड्ढो युक्त सड़क पर दुर्घटना से दो-चार होना पड़ रहा है।

कुकृत्य के बाद बच्ची की हत्या करने वाले को फांसी की मांग को लेकर दिया ज्ञापन

माही की गूंज, आम्बुआ (अलीराजपुर)। विगत दिनों गुजरात प्रांत में मजदूरी के लिए गए आदिवासी परिवार की नाबालिक बच्ची के साथ वहां पर हैवानियत कर उसकी हत्या करने के समाचार से अलीराजपुर-झाबुआ जिले में रोष व्याप्त है, सभी और से आरोपी को फांसी देने की मांग की जा रही है। अलीराजपुर-झाबुआ जिले में नवगठित महानायक टंट्या भील सेना के जिलाध्यक्ष रमेश बघेल व कार्यकर्ताओं ने संगठन की और से प्रदेश के राज्यपाल के नाम ज्ञापन आम्बुआ पुलिस थाने पर दिया गया, जिसमें राज्यपाल से उक्त शर्मनाक कृत्य करने वाले को फांसी की सजा दिलाने की मांग की गई है ताकि ऐसे प्रकरणों की पुनरावृति न हो सके।

मुख्यमंत्री के नाम मध्यप्रदेश शिक्षक संघ तथा ट्राईबल वेलफेयर एसोसिएशन सौंपा ज्ञापन

लोकशिक्षण के आदेश पर शिक्षकों में आक्रोश

माही की गूंज, झाबुआ।

मध्यप्रदेश शिक्षक संघ के प्रांतीय आव्हान पर मध्यप्रदेश शिक्षक संघ तथा ट्राईबल वेलफेयर एसोसिएशन जिला झाबुआ द्वारा आयुक्त लोक शिक्षण द्वारा जारी आदेश 18 जनवरी 2021 में कक्षा 9 वीं के लिए 59 प्रतिशत, कक्षा 10 वीं के लिए 64 प्रतिशत के कक्षा 11 वीं के लिए 81 प्रतिशत तथा कक्षा 12 के लिए 73 प्रतिशत परीक्षा परिणाम का लक्ष्य शिक्षकों के लिए निर्धारित किया गया। उक्त आदेश के विरोध में मप्र शिक्षक संघ व ट्रायबल वेलफेयर एसोसिएसन के शिक्षको ने मुख्यमंत्री व शिक्षामंत्री के नाम से ज्ञापन एसडीएम झाबुआ एमएल मालविया को दिया।

आदेश के विरोध में अपने तर्क प्रस्तुत करते हुए शासन को अवगत कराया कि वर्तमान शैक्षणिक सत्र में कोविड 19 महामारी के कारण अध्यापन कार्य नियमित नहीं हुआ। मानव अधिकार आयोग के अनुसार अधिक अंकों के लिए छात्र-छात्राओ पर दबाव नहीं बनाया जा सकता। आदेश में शिक्षकों को दंडित करने का प्रावधान भी किया गया है जो कि न्यायोचित नहीं है। अधिकांश विद्यार्थियों के पास एंड्रायड मोबाईल नहीं होने से वह आनलाईन कक्षाएं ज्वाईन नहीं कर पाए थे। वर्तमान में भी विद्यालयों में छात्रों की उपस्थित बहुत कम है। दबाव पूर्ण आदेशों से नकल प्रवृत्ति को प्रोत्साहन मिलेगा। संगठनों ने शासन से आदेश निरस्त करने की मांग के साथ सुझाव दिया कि शिक्षकों, पालकों व विद्यार्थियों के लिए अधिक अंकों के लिए प्रोत्साहन योजना प्रांरभ करने से प्रतिस्पर्धा से अच्छे परिणाम आ सकते है। ज्ञापन देते समय मध्यप्रदेश शिक्षक संघ जिलाध्यक्ष अनिल कोठारी, ट्राईबल वेलफेयर एसोसिएशन के प्रांतीय महामंत्री मनीष पंवार, सुभाष दुबे, महेश जैन, मनोज खाबिया, कालूसिंह परमार, अबरार खान, फिरोज खान, शीला सिसोदिया, सीमा त्रिवेदी, संगीता गुप्ता, मोहन राठौर, रविन्द्र श्रीवास्तव आदि दोनों संगठन के अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

स्व संत श्री खुमसिंह महाराज की द्वितीय पुण्यतिथि पर निकली भव्य कीर्तन यात्रा

माही की गूंज, थांदला। स्व संत श्री खुमसिंह महाराज की द्वितीय पुण्यतिथि पर थांदला के समीप चैनपुरी हनुमान मंदिर से भव्य कीर्तन शोभायात्रा संत समाज ने निकाली, यात्रा में बच्चे भी पैदल कीर्तन करते चल रहे थे। स्व. खुमसिंह महाराज के पूरे जिले में अनेक शिष्य है नगर में यात्रा का कई जगह पुष्प वर्षा की गई, थांदला चौराहा पर भाजपा मंडल की और से यात्रा का भव्य स्वागत किया गया। यात्रा में संत कमल महाराज, प्रेमसिंह, वरसिंह गढ़वाल, बेलू बारिया, रामदास महाराज, सरपंच मुना मैडा, धीरू भूरिया, कुवार्सिंह बारिया आदि के साथ बड़ी संख्या में अनेक भक्त थे। पेदल यात्रा नगर के प्रमुख मार्गो से होती हुई पुरानी मंडी में समापन किया, जहां संत समेम्लन का भी आयोजन हुआ जिसमें हजारों सन्त, समाजजन उपस्थित थे।

बंसीलाल राठौड़ बने समाज के अध्यक्ष, समरसता और नैतिकता के लिए करेंगे सामूहिक प्रयास

माही की गूंज, नानपुर।

राठौड़ समाज के पूर्व अध्यक्ष सीताराम राठौड़ और पूर्व उपाध्यक्ष राजू राठौड़ की अगुयाई में एक वृहद बैठक नवीन कार्यकारिणी के लिए समाज भवन में आयोजित की गई। बैठक में सर्वानुमति से बंसीलाल (गबु) राठौड़ को अध्यक्ष नियुक्त किया गया साथ ही सुनील गेंदालाल राठौड़ को उपाध्यक्ष, कैलाश राठौड़ को सचिव और राकेश नारायण को कोषाध्यक्ष पद पर निर्विरोध मनोनीत किया गया।

नियुक्ती के बाद अध्यक्ष बंसीलाल राठौड़ ने कहा कि, समाज ने जिस विश्वास से प्रभार की जिम्मेदारी दी है, इस हेतु समाज को

मजबूती प्रदान करने के लिए हर संभव प्रयासरत रहूंगा। समाज को मजबूत बनाने के लिए समाज के युवा से लेकर महिला शक्ति और बहनों तक अभियान चलाया जाएगा। जिसके अंतर्गत समाज मे समरसता व नैतिकता की प्रबलता हेतु सामूहिक प्रयास निरन्तर किए जाएगे।

समाज की नई कार्यकारणी मनोनीत किए जाने पर अलीराजपुर समाज अध्यक्ष एवं म.प्र. क्षत्रिय महासभा उपाध्यक्ष किशनलाल राठौड़, युवा अध्यक्ष एव म.प्र. क्षत्रिय प्रांतीय युवा उपाध्यक्ष कमल राठौड़, जोबट समाज अध्यक्ष महेश राठौड़, कपिल राठौड़ जोबट (म.प्र. प्रांतीय राठौड़ क्षत्रिय युवा सभा रक्तदान, नेत्रदान और अंगदान प्रकोष्ठ मुख्य संयोजक) जोबट युवा प्रभाग गजेंद्र राठौड़, धनराज राठौड खट्टाली आदी ने कार्यकारणी सदस्यों को बधाई संदेश प्रेषित किए। बैठक में मांगीलाल, दिनेश, मोतीलाल, जगदीश, कमलेश, रामनारायण, डिंपू, अंकुश, प्रवीण, संजय, सचिन, रविन्द्र, कुलदीप, जितेंद्र, राकेश, राधेश्याम, हुकुम आदि समाजजन मौजूद थे। अंत मे तरुण राठौड़ ने सभी का आभार माना।

साथिया स्पोर्ट एकेडमी की मैराथन दौड़ हुई सम्पन्न

माही की गूंज, शुजालपुर। अजय राज केवट

शुजालपुर ग्राम जेठडा में साथिया स्पोर्ट एकेडमी ने हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी मैराथन दौड़ का आयोजन किया, जिसमें भोपाल, रतलाम, मंदसौर, विदिशा देवास व अन्य ग्रामीण क्षेत्र के खिलाड़ियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में राज्य शिक्षा मंत्री इंदरसिंह, रामगोपाल सिसोदिया, राजेंद्र सिंह सिसोदिया, पूर्व भारतीय मजदूर संघ जिला सचिव श्रीमती हेमलता बारोड, दीपक परमार, सतीश गोयल उपस्थित रहे।

बालक वर्ग की 6 किलोमीटर मैराथन व बालिका वर्ग की 4 किलोमीटर मैराथन का राज्य शिक्षा मंत्री इंदरसिंह ने हरी झंडी दिखाते हुए मैराथन दौड़ को प्रारंभ किया। मैराथन दौड़ में विजेता बालक वर्ग में प्रथम स्थान पर राहुल सिसोदिया, द्वितीय स्थान पर नरेंद्र राजपूत के साथ ही बालिका वर्ग में प्रथम स्थान पर ग्रीष्मा, द्वितीय स्थान पर मुस्कान व तीसरे स्थान पर संध्या लववंशी रही। राज्य शिक्षा मंत्री इंदरसिंह ने खिलाड़ियों को पुरस्कार से सम्मानित करते हुए खिलाड़ियों के उज्जवल भविष्य की कामना की। आयोजन में साथिया एकेडमी के संचालक हेमंत शेरवल, खेल युवा कल्याण विभाग से हुकुम सिंह परमार, अनिल सिसोदिया, मांगीलाल जादव व साथिया एकेडमी के सभी कार्यकर्ता रहे मौजूद रहे।

नवीन ट्रेन, नगर में स्टॉपेज व हॉस्पीटल के लिए रेल्वे मंत्री व पूर्व केंद्रीय मंत्री को लिखा पत्र

माही की गूंज, आलीराजपुर। संजय गेहलोद/इरसाद मंसूरी

स्थानिय रेल लाओ संघर्ष समिति ने छोटाउदयपुर से अलीराजपुर एक और नवीन ट्रेन चलाने एवं नगर में स्टॉपेज देने हेतु तथा रेल्वे परियोजना मे शामिल 100 बेड का हॉस्पीटल अलीराजपुर मे निर्माण को लेकर केंद्रिय रेल मंत्री पियुष गोयल व पुर्व केद्रिय रेल राज्यमंत्री व राज्यसभा सांसद नारायण भाई राठवा को पत्र लिखकर जिलेवासियो को राहत प्रदान करने की मांग की है। रेल लाओ संघर्ष समिति के संरक्षक महेष पटेल, संयोजक योगेंद्र वाणी, अध्यक्ष ओमप्रकाश राठौर एवं मुख्य सचिव खुर्षिद अली दिवान ने बताया कि, रेल्वे विभाग द्धारा अलीराजपुर में 30 अक्टुम्बर 2019 को रेल्वे लाईन का शुभारंभ किया जा चुका है, एक ट्रेन बडोदा से सुबह 10 बजकर 10 मिनट पर शुरू होकर अलीराजपुर 1 बजकर 40 मिनट पर आ रही है, वही उक्त ट्रेन शाम को 4 बजकर 15 मिनट पर वापस बडोदा के लिए रवाना हो जाती है। अलीराजपुर क्षेत्र की जनता की मांग है कि, एक ओर ट्रेन शाम को अलीराजपुर आकर रात्रि रूके और सुबह बडोदा की और प्रस्थान करें। ग्राम सेजा स्थित अलीराजपुर का रेल्वे स्टेशन नगर से सात किलोमीटर दुर होने से यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, इस समस्या को देखते हुए नगर के पास दशहरा मैदान पर पांच मिनट के लिए रेल का स्टॉपेज रखा जाए। वर्तमान में चल रही एक ट्रेन जिसका जाने का समय 4 बजकर 15 मिनट शाम का है, जो स्थानिय जनता को शुट नहीं करता, यात्री इस समय सारणी के कारण अधिक संख्या में यात्रा नहीं कर पा रहे है, इसलिए दुसरी ट्रेन चलाकर सुबह-शाम का समय निर्धारित किया जाए। रेल्वे विभाग के नियमानुसार बडोदा से धार, तदनंदौर तक लिंक होने वाली इस रेल्वे परियोजना में एक मध्य मे रेल्वे का 100 बेड का हॉस्पीटल होना आवश्यक है, जो इस छोटा उदयपुर-धार रेल्वे परियोजना की स्वीकृति के समय अलीराजपुर मे बनना प्रस्तावित था। रेल लाओ समिति इस पत्र के माध्यम से मांग करती है कि, इस परियोजना मे शामिल 100 बेड होस्पीटल शीघ्र अलीराजपुर मे निर्माण करवाया जाए, जिससे इस आदिवासी-बाहुल्य क्षेत्र की गरीब जनता को स्वास्थ्य सुविधा का लाभ प्राप्त हो सकें।

फेसबुक पोस्ट के कमेंट में गाली देने वाले पंकज शर्मा के खिलाफ एट्रोसिटी एक्ट में मामला दर्ज करने की मांग

माही की गूंज, अलीराजपुर।

गत दिनों मोरवी में हुए झाबुआ निवासी मासूम आदिवासी बालिका के बलात्कार के बाद देशभर के आदिवासियों ने आक्रोश जाहिर किया। सोशल मीडिया में भी खुलकर लोगों ने गुजरात में हुई इस करतूत पर प्रतिक्रिया दी। वहीं झाबुआ के राणापुर तहसील निवासी पंकज शर्मा द्वारा फेसबुक पर बहुत ही अपमानजनक, अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए आदिवासी समाज को गाली लिखी, जिसके विरोध में अलीराजपुर थाने पर आदिवासी समाज के पदाधिकारी व कार्यकर्ता एकत्रित हुए और थाना प्रभारी को आवेदन देकर एट्रोसिटी एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज करवाने की मांग पर अड़े रहे। काफी देर एसडीओपी और प्रभारी थाना प्रभारी से बातचीत के बाद आदिवासी समाज के कार्यकर्ता एफआईआर दर्ज करने की शर्त पर वहां से हटे। आवेदन देने में सुरेश सेमलिया, विक्रम कनेश, राजेन्द्र सोलंकी, सालम सोलंकी, केरम जमरा, नितेश अलावा, जितेन्द्र चौहान, अजय किराड़, दीपक जमरा, सरदार तोमर, रवी रावत, रितु लोहार, बंटी मण्डलोई, संजय भूरिया, रोहित पड़ियार, सुरेश भयडिया, केशरसिंह चौहान आदि समाजजन उपस्थित रहे।

भूरिया के बिगड़े बोल राजनीति स्टंट या चमड़े की जुबान थी फिसल गई

माही की गूंज, झाबआ। मुजम्मील मंसुरी

पूर्व केंद्रीय मंत्री व झाबुआ के विधायक कांतिलाल भूरिया यकायक सुर्खियों में आ गए। सुर्खियों में आने का कारण यह रहा कि, चमड़े की जुबान थी फिसल गई। हालांकि ऐसा भी नहीं है कि, भूरिया की यह जुबान पहली बार फिसली है, पर क्या करें जुबान तो चमड़े की ही है फिसल गई या यूं कह लें कि, विधायक होने के बावजूद सरकार नहीं होने के चलते लूप लाइन में चल रहे कांतिलाल भूरिया कुछ तुफानी करना चाहते थे। जिससे उनकी सस्ती व ओछी लोकप्रियता बढ़ जाए। कुछ तुफानी करने व सस्ती लोकप्रियता पाने के चक्कर में भूरिया की जुबान ऐसी फिसली कि, उन्होने भाजपाईयों पर राम मंदिर निर्माण के नाम पर चंदा लेकर दारू पीने का आरोप लगा दिया। अब यह जुबान फिसलने या फिसलाने में भूरिया की हालत ऐसी होगी कि, कढ़ी में उबाल तो आएगा लेकिन वह उफनकर आग पर ही जा गिरेगी। इस फिसली जुबान का असर आने वाले दिनों में बहुत ज्यादा देखने को मिल सकता है।

दरअसल हुआ यूं कि, पुर्व केन्द्रीय व राज्य मंत्री तथा कांग्रेस के झाबुआ विधायक कांतिलाल भूरिया पेटलावद में महंगाई और पेट्रोल-डीजल के लगातार बढ़ते दामों को लेकर जन आक्रोश रैली में शामिल होने पहुंचे थे। जनाआक्रोश रैली को देखकर भूरिया में इतना जोश भर गया कि वे अपने आप पर काबू नहीं रख पाए या उन्होने माहौल देखकर पहले ही यह इरादा कर लिया था कि, मुझे आज कुछ तुफानी करना है। जनाआक्रोश रैली तो जैसे-तेसे निपट गई, लेकिन रैली के बाद भूरिया ने प्रेस से बातचीत की और बस यहीं पर उन्होने अपना आपा खोते हुए पहले तो भाजपा की केंद्र और राज्य सरकार को आड़े हाथ लिया, लेकिन बात करते-करते यह बोल गए कि, भाजपाई रामंदिर के नाम पर चंदा इकट्ठा कर शाम को दारू पी जाते है। उन्होनें राम मंदिर निर्माण के लिए हो रहे धनसंग्रह को लेकर भाजपाईयों पर निशाना साधा और यह आरोप लगा दिया कि, भाजपाईयों ने पहले राम मंदिर के नाम पर हजारों-लाखों करोड़ों-अरबों का चंदा इकट्ठा किया था उसका कोई हिसाब नहीं दिया और अब भाजपाई फिर से राम मंदिर के लिए चंदा इकट्ठा कर रहे है और शाम को नदी पर जाकर उन पैसो की दारू पी जाते है। जिस वक्त भूरिया ने यह बातें कही उस वक्त इलेक्ट्रानिक मीडिया के कई कैमरों व मोबाइल ने भूरिया के उक्त बयान को कैद कर लिया। यह घटनाक्रम सोमवार को घटित हुआ। भूरिया का यह बयान सोशल मिडिया पर वायरल होते ही भाजपा सहित तमाम हिंदू संगठनों में खासी नाराजगी देखी गई। जब मामले ने तूल पकड़ा और बात प्रादेशिक स्तर तक पहुंची और मंगलवार को इंदौर में भूरिया ने प्रेस के सामने फिर से पलटी मारी और कहा कि, मेरे बयान को तोड़-मरोड़ कर दिखाया जा रहा है, मैने शराब पीने के संबंध में कुछ नहीं कहा। हां पिछले वर्षों में राम मंदिर के नाम पर हुए चंदे का हिसाब जरूर मांगा था। अब भूरिया के पेटलावद में दिए गए बयान और इंदौर में मीडिया के सामने मारी गई पलटी के वीडिया सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे है जो जनता के बीच दूध का दूध और पानी का पानी कर रहे है। पेटलावद में भूरिया द्वारा दिए गए बयान की प्रतिक्रिया भी आनी शुरू हो गई है। उन्ही की विधानसभा झाबुआ के ग्राम पारा, रतलाम संसदीय क्षेत्र के साथ अन्य जगहों पर उनका पुतला फूंका जा रहा है। यह भी तय है कि, आस्था पर चोट लगाकर भूरिया ने कह दिया है कि, आ बैल मुझे मार। अब आगे देखना दिलचस्प होगा कि भूरिया की फिसली चमड़े की जुबान भूरिया को कितना नीचे तक फिसलाती हुई ले जाती है और क्या तुफानी असर दिखाती है।

अखिल भारतीय शुटिंग बॉल स्पर्धा का महाकुंभ कल से झाबुआ में

शुक्रवार को होगा ट्राफियों का अनावरण, 7 राज्यों की टीमें ले रही है भाग

माही की गूंज, झाबुआ।

पिछले कई दिनों से ब्लॉक कॉलोनी मैदान पर ओपन शूटिंग बॉल स्पर्धा के लिए तैयारियां जोर-शोर से की जा रही हैं। स्पर्धा में कई आकर्षक ईनाम रखे गए है। देश की जानी मानी 17 से अधिक टीमें इस स्पर्धा में भाग लेंगी। आयोजन में जाने माने खिलाड़ी भी आ रहे है। जो अपना प्रदर्शन दिखाएंगे। आमंत्रित की गई टीमों में एम्स दिल्ली, जयंत मुंबई, खली पंजाब, लक्की पंजाब, सुरेश हरियाणा, सुरेन्द्र राजस्थान, अरूण मैरठ, इस्तियाक नवी मुंबई, शोएब जामनेर, निट्टू उत्तरप्रदेश, आईएसएससी मालेगांव, जितेन्द्र भोपाल, पिंटू राजस्थान, राजा इंदौर, लाहोरे ब्रदर्स उज्जैन, गुजरात स्टेट तथा नीमाड़ स्पोर्टस कुक्षी की टीमें शामिल है। इन टीमों में देश के जाने माने खिलाड़ी खेलते है। जो अपना जोहर खेल के दौरान दिखाते है।

आरडी मेमोरियल ओपन शूटिंग बॉल स्पर्धा 5 व 7 फरवरी को ब्लॉक कॉलोनी मैदान पर आयोजित की जा रही है। इस स्पर्धा में देश के 7 प्रदेशों की टीमें भाग ले रही हैं। स्पर्धा के लिए बसंत कॉलोनी खेल मैदान को पूर्णरूप से तैयार किया गया है। पिछले दो सप्ताह से मैदान को तैयार करने में आयोजक टीम लगी हुई है। शुक्रवार को स्पर्धा की ट्राफियों का अनावरण किया जाएगा। स्पर्धा का प्रथम पुरूस्कार 51 हजार, द्वितीय पुरूस्कार 31 हजार, तृतीय पुरूस्कार 15 हजार तथा चतुर्थ पुरूस्कार 11 हजार रुपये रखा गया है। इसी के साथ ही बेस्ट शूटर, बेस्ट नेटर, बेस्ट डिफेंडर को भी पुरूस्कृत किया जाएगा।

आयोजकों का कहना है कि शुटिंग बॉल स्पर्धा कई बार हो चुकी है, लेकिन पहली बार इस तरह का मैदान तैयार किया गया है। खेल मैदान अमजद खान के मार्गदर्शन में तैयार हो रहा है। करीब 7 वर्षों बाद आयोजक समिति द्वारा ओपन शूटिंग बॉल स्पर्धा पुनः आयोजित की जा रही है। वर्ष 2013 में स्पर्धा आयोजित की गई थी। स्पर्धा में देश की कई टीमें आई थी। जिले भर से देखने वालों का खेल मैदान पर दो दिनों तक मेला लगा रहा। स्पर्धा के लिए रेफरी भी बाहर से बुलाए गए है। जितेन्द्र शर्मा, रंजीत विष्णोई, जाकीर भाई तथा रफीक भाई मैच के रेफरी होंगे।

अंतराष्ट्रीय टीमें इस स्पर्धा में भाग ले रही है। 6 व 7 फरवरी को शुटिंग बॉल स्पर्धा का आयोजन चलेगा। स्पर्धा को देखने के लिए जिले के अलावा अन्य जिलों से भी खेल प्रेमी झाबुआ पहुंचेंगे। बसंत कॉलोनी मैदान पर दो दिनों तक खेल प्रेमियों का मेला लगा रहेगा। कई वर्षो बाद खेल प्रेमियों को एक से बढ़कर एक वाली बॉल के मैच देखने को मिलेंगे। आयोजकों द्वारा अच्छे से तैयारियां की जा रही है।

बबलू मैड़ा के हाथ रहेगी कुशलगढ़ नगर पालिका की कमान

माही की गूंज, कुशलगढ़। नितिन झाकरोद

नगर पालिका में भारतीय जनता पार्टी को स्पष्ट बहुमत प्राप्त होने के बाद मंगलवार को अध्यक्ष पद के चुनाव के लिए मात्र एक ही नामांकन पत्र दाखिल हुआ, यह नामांकन भाजपा की ओर से अधिकृत प्रत्याशी बबलू मैड़ा दाखिल किया और अन्य प्रत्याशी मैदान में नहीं होने से निर्विरोध नगर पालिका के अध्यक्ष निर्वाचन हुए। पद के नामांकन के अंतिम दिन सुबह भाजपा संचालन समिति की बैठक हुई, इसमें अनुसूचित जनजाति के 2 पार्षद जितेंद्र अहारी व बबलू मैड़ा के नामों पर चर्चा हुई, इसके बाद प्रदेश आलाकमान के निर्देशानुसार बबलू को अधिकृत प्रत्याशी घोषित कर पर्चा दाखिल कराया। इस दौरान राजेंद्र पंचाल, प्रधान कानहींग रावत, पूर्व मंडल अध्यक्ष कमलेश कावड़िया आदि उपस्थित रहे।

अब की बार 100 पार ....

पेट्रोल-डीजल के भावों में लगातार हो रहा इजाफा, बढ़ती महंगाई ने बिगाड़ा बजट, किराये भाड़े में हुई वृद्धि

माही की गूंज , पेटलावद।

भाजपा सरकार हर बार चुनाव में सीटों की जीत के लिए टारगेट तय कर नया नारा 'अब की बार 100 के पार' का देती है लेकिन अब यही नारा भाजपा सरकार के लिए जुमला साबित होता जा रहा है।

पेट्रोल-डीजल के दामों में हो रही लगातार बढ़ोतरी के कारण आम लोगो की जेब पर अतिरिक्त डाका पड़ रहा है, जिससे लोगो का आर्थिक जीवन खासा प्रभावित हो रहा है। गेस टंकी हो या खाने का तेल हर जरूरी वस्तुओं की कीमतों में लगातार वर्द्धि से हालत खराब होती जा रही है। बात करे पेट्रोल डीजल की जो कि आम जन जीवन का हिस्सा बन गया है, इनकी कीमतों में रोज इजाफा हो रहा है, पेट्रोल की कीमत 100 के करीब तो डीजल की कीमतें 85 के आसपास पहुच गई है। लगातार बढ़ती कीमतों को देख लोग पेट्रोल अब की बार 100 पार का नारा लगा कर भाजपा सरकार की खिल्ली उड़ा रहे है।

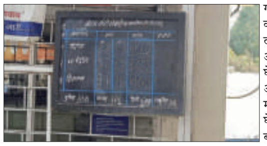

ट्रांसपोर्ट व लोकल भाड़े में भी हुई वृद्धि

बढ़ती कीमतों का असर केवल वाहन मालिकों को ही नही आम जनता को भी भुगतना पड़ रहा है, ट्रांस्पोर्ट भाड़े सहित किराए से चलने वाले वाहनों के भाड़े ओर बस के भाड़े तक मे बढ़ोतरी हो गई है। साफहै पेट्रोल-डीजल सहित कई वस्तुओं के दामो में हो रही बढ़ोतरी सरकार के नियंत्रण से बहार हो गई है और दामो को नियंत्रण करने के कोई प्रयास नही किए जा रहे है। बढ़ते दामो के बाद विपक्ष ने भी अब केंद्र और राज्य की भाजपा सरकार को घेरना शुरू कर दिया है। नगर कांग्रेस अध्यक्ष जीवन ठाकुर का कहना है कि, मामूली वर्द्धि पर पूर्व की सरकारों को घेरने वाली भाजपा ओर उसके बड़े-बड़े नेता अब मोन्न धारण किए हुए है।

शराब माफिया अलकेश का गुर्गा कमलेश दातला भाजपा जिलाध्यक्ष पद की दौड़ लगाने के बाद अब लगा रहा अपनी 4 मंजिला बिल्ड़िंग को बचाने की दौड़

आबकारी एक्ट में फरारी काट रहा कमलेश दातला काली कमाई से करोड़ों की संपत्ति अर्जित करने के बाद भी खाता रहा है सभी के जूते

माही की गूंज, झाबुआ।

कमलेश दातला ने अपने माफ्यिाई कारोबार के साथ चाहे करोडो की सम्पति अर्जित कर ली हो पर वह अपने गृह ग्राम क्षेत्र से लेकर मेघनगर व थांदला तक अपनी बदनियत के साथ जुते खा चुका है जो भाजपा जिलाअध्यक्ष की दौड लगाने के बाद अब अवैध रूप से बनी अपनी 4 मंजिला बिल्डिंग को बचाने की दौड लगा रहा है।

एक समय राजदूत मोटरसाइकिल पर एक-एक पेटी शराब बेचने वाला अलकेश बाकलिया व उसके रिश्तेदार कमलेश दातला व मुकेश ने अलकेश की बेइंतहा संपत्ति के साथ ही मुकेश व कमलेश ने भी अपने माफ्यिा राज के साथ काली कमाई कर करोड़ों की संपत्ति कर ली। परंतु कुछ ही समय में अवैध तरीके से अर्जित की गई करोड़ों-अरबों की संपत्ति का ब्यौरा लेने वाला कोई नहीं। व्यक्ति अपने प्रभाव से कितना भी कुछ कर ले परंतु कहीं न कहीं उनके काले व अवैध कारनामों का काला चिट्ठा एक न एक दिन खुलता ही है।

शराब माफ्यिा अलकेश का गुर्गा कमलेश दातला भाजपाई राजनीति के साथ अपने प्रभाव को और ज्यादा प्रभावित बनाने के लिए जिला अध्यक्ष की दौड़ लगा रहा था, जोकि वर्तमान में राणापुर थाने में अपराध क्रमांक 135/20 धारा 34(2), 36 आबकारी एक्ट में राणापुर शराब दुकान की लाइसेंसी निधि प्रसाद राय के साथ कमलेश दातला भी फरारी काट रहा है। जबकि इनके पार्टनर तुकाराम चौहान कुछ दिन पूर्व ही पुलिस की गिरफ्त में आकर जेल की सलाखों के पीछे पहुंचा है। कमलेश दातला ने अपने अवैध शराब का कारोबार कर अपने एवं अपने परिवार के नाम से झाबुआ, मेघनगर, इंदौर आदि सहित करोड़ों की संपत्ति अर्जित की व अवैध रूप से निर्माण कर मल्टी भी खड़ी कर दी, साथ ही अवैध रूप से क्रेशर का कारोबार भी जिले में करने वाला कमलेश दातला ने अपने पिता सुजानसिंह पिता अमरसिंह दातला के नाम से मेघनगर की सहारा कॉलोनी वार्ड क्रमांक 3 में खाता-खसरा क्रमांक 505/1/76 रकबा 0.014 हेक्टेयर 40 बॉय 54 कुल 2160 वर्गफीट खरीदी, जिस पर कमलेश दातला ने चार मंजिला पार्किंग के साथ 15 फ्लेट वाली बिल्ड़िंग खड़ी कर दी, जिसमें भूतल पर तीन फ्लेट व पार्किंग, बाकी प्रथम, द्वितीय व तृतीय मंजिल पर चार-चार फ्लेट का पक्का निर्माण अवैध तरीके से किया। कमलेश दातला नगर परिषद मेघनगर में निर्माण संबंधी बिना परमिशन व बिना नक्शा मंजूरी के ही 15 फ्लेट वाली बिल्ड़िंग बिना मापदंड के साथ खड़ी कर दी। कलेक्टर के निर्देश के बाद नगर परिषद मेघनगर ने कमलेश दातला के पिता सुजानसिंह दातला को नोटिस जारी कर उक्त बिल्ड़िंग संबंधी नगर परिषद से नक्शा पास एवं आदि सक्षम दस्तावेज प्रस्तुत करने हेतु नोटिस जारी किया था। लेकिन समय अवधी तीन दिवस में भवन निर्माण अनुमति के कोई दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए, जिस पर नगर परिषद मेघनगर ने 1 फरवरी को पत्र क्रमांक 147 से अवैध रूप से निर्माण भवन के संबंध में नोटिस जारी किया, जिसमें अवैध 4 मंजिला में मनाए गए 15 फ्लेट को किराए से देना पाया गया व अनुमति का कोई दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जाने पर मौका मुआयना के साथ अवैध निर्माण पाया गया। नगर परिषद में नक्शा मंजूर कराए बगैर एवं स्वीकृति योग्य एफएआर से बहुत अधिक निर्माण किया जाना पाया गया, नगर पालिका अधिनियम 1961 की धारा 187(8) का उलंघन हे जोकि अपराध है। जिसके तहत भवन को तोड़े जाने संबंधी सूचना देकर 24 घंटे में बिल्ड़िंग खाली कराने के निर्देश देकर अंतिम सूचना दी गई।

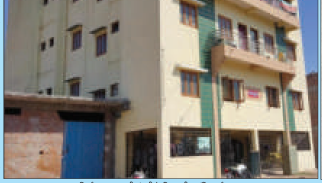

निर्माण व नक्शा की मंजुरी के बिना बनी 4 मंजिला ईमारत।

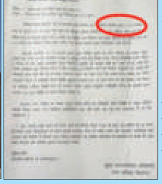

गोल घेरे में सीएमओ द्वारा की गई त्रुटी।

अवैध बिल्ड़िंग में रहने वाले सीएमओ ने नोटिस में की त्रुटि मानवीय भूल या संरक्षण देने का उद्देश्य?

जिस बिल्ड़िंग को कमलेश दातला ने अवैध निर्माण कर खड़ी की उसी बिल्ड़िंग के फ्लेट में मेघनगर के शराब दुकान के मैनेजर के निवास स्थान के साथ शराब ऑफिस एवं अन्य किरायेदारों के साथ मेघनगर सीएमओ विकास डाबर भी किराए से रह रहे थे, जिन्होंने सर्वप्रथम अवैध निर्माण की बात सार्वजनिक होने पर फ्लैट खाली किया।

बता दें कि, सीएमओ ने 1 फरवरी को बिल्ड़िंग तोड़े जाने संबंधी लिए गए निर्णय के भेजे गए नोटिस में खसरा क्रमांक 505/1/76 के बजाय 505/1/6 उल्लेखित कर नोटिस भेजा गया। यानी 76 की जगह 6 का उल्लेख सीएमओ साहब ने अपनी मानवीय भूल के साथ किया है या फिर कमलेश दातला को संरक्षण व समय अवधि देने हेतु जानबूझकर त्रुटि कर नोटिस जारी किया गया है, जो भी बड़ा जांच का विषय है। वही कमलेश दातला फरार होने के बावजूद रम्भापुर से लेकर मेघनगर व झाबुआ से लेकर इंदौर व भोपाल तक भाजपा अध्यक्ष से लेकर मंत्री तक जाकर बिल्ड़िंग को बचाने की दौड़ लगा रहा है पर पुलिस फरारी आरोपी कमलेश दातला को पकड़ने में सफल नहीं हो पा रही है आखिर क्यों? का प्रश्न कई सवालों को खड़ा कर रहा है।

अवैध बिल्डिंग का निर्माणकर्ता फरार आरोपी माफिया कमलेश दातला

मामले में गूंज कार्यालय से जानकारी लेने हेतु सीएमओ मेघनगर विकास डाबर के मो.न. 9981978115 पर 2 दिनों तक संपर्क किया परंतु एक से अधिक बार फोन करने के बाद भी ट्रूकॉलर पर माही की गूंज देखकर ही जानकारी देने से बचने के लिए मोबाइल अटैड नहीं किया। जिससे साफ अंदाजा लगाया जा सकता है कि, सीएमओ साहब महज उपरी अधिकारीयो के आदेशो पर सुचना एवं पत्र व्यवहार अवैध रूप से निर्मित बिल्ड़िंग संबंधी कर रहे हैं, अब देखना है साहब कितने दिवस में और क्या कार्रवाई करते हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, अलका भटेवरा द्वारा काम्पेक प्रिन्टर्स प्रायवेट लिमिटेड, 3/54, प्रेस कॉम्प्लेक्स, ए. बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 499, बाजना मार्ग, गणेश मंदिर के सामने, खवासा, तहसील थांदला, जिला-झाबुआ (म.प्र.) से प्रकाशित। प्रधान संपादक- संजय भटेवरा, संपादक- धर्मेन्द्र पंचाल । मोबाइल नं. -95898-82798 (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र झाबुआ रहेगा) आरएनआई नंबर- एमपीएचआईएन/2018/76422